



मित्र समाचार

अंक 12

प्रकाशन 8

अगस्त 2022



हे भाईयों तुम स्वतंत्र होने के लिए बुलाए गए
हो परंतु ऐसा न हो कि यह स्वतंत्रता शारीरिक
कामों के लिए अवसर बने वरन् प्रेम से एक
दूसरे के दास बनो।

गलतियों ५:१३



स्वतंत्र होने के लिए बुलाए गए ।

प्रथम पंक्ति

दास शक्तिहीन होते थे। दास मूक होते थे, दासों को मूल्यहीन समझा जाता था। उनका जीवन बहुत ही कठिन होता था। दासों को अक्सर कोड़े मारा जाता था। उनके शरीर में किसी हिस्से में लोहे के द्वारा चिन्ह बना दिया जाता था, और उनके साथ बहुत ही क्रूरता का व्यवहार किया जाता था, और तो और किसी भी वजह से मार तक डाला जाता था। निर्गमन की पुस्तक इस्राएलियों के बारे में बताती है जो मिश्री लोगों के गुलाम थे और बाद में अन्य बहुत सारे देशों के गुलाम बने। किंतु आज की दासत्व की परिस्थित कुछ भिन्न है। जिसे आधुनिक दासत्व या नियो स्लेवरी कहा जाता है। जिसमें अनुमानित लगभग 38 मिलियन से 46 मिलियन लोग आज भी दास हैं। उन्हें फ़ैक्ट्रियों में, कंपनियों में ईंट के भट्टों में, फार्म में एवं वेश्यावृत्ति में शोषित होते देखा जा सकता है। गरीबी, अशिक्षा एवं दयनीय अल्पसंख्यक समुदायों के रूप में आधुनिक दासत्व का परिणाम देखा जा सकता है।



इस महिने जब हम 76वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। आईए हम जाँचें कि क्या वास्तविकता में हमारा देश इस सूची में खड़ा होता है या नहीं? हमारे देश में हमने ऐसे बहुत सारे व्यक्तियों को देखा है जो दास के वर्ग में पाए जाते हैं और वो हमारे साथ स्वतंत्रता का अनुभव करना चाहते हैं। ये लोग कब स्वतंत्रता का अनुभव करेंगे? “दासत्व से पाप” तक यह एक अलग तरह की दासत्व है, जिससे बहुत सारे लोग अनजान हैं जो कि बहुत ही भयंकर है। बाइबल कहती है— पापी लोग शैतान जो कि स्वामी है, के प्रभाव के नीचे हैं। “और समस्त संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।” (1 यूहन्ना 5:19) हमें कभी भी अपनी उस स्वतंत्रता को आँखों से ओझल नहीं होने देना है जिसे हमारे महान उद्धारकर्ता प्रभु यीशु ने अपने लहू के द्वारा खरीदा है। (गलाति 3:13) अर्थात् अपने जीवन को लेकर क्रूस पर मरने के द्वारा। मात्र उनके वचनों को मानने के द्वारा हम सत्य (संपूर्ण स्वतंत्रता) को जान या अनुभव कर सकते हैं। (यूहन्ना 8:31-32) परमेश्वर हमें आने के लिए आमंत्रित किया है और तब वह हमारे बंधनों को तोड़ देता है और हमें भेजता है कि दूसरों के बंधनों को तोड़ें। जोकि एक महान आज्ञा है जिसे हमारे प्रभु यीशु ने हमें सौंपा है। युवा मोरावियन मिशनरियों के एक समूह, जिसने “जाने” की एक बुलाहट पाई, और उन्होंने अपना जीवन अफ्रीका महादेश के 100 द्वीप समूहों में रहने वाले दासों के प्रति परमेश्वर के प्रेम को बाँटने के लिए समर्पित कर दिया। यदि किसी को उन द्वीपों में जाना होता तो उन्हें किसी पासपोर्ट या वीजा की जरूरत नहीं होती किंतु इसकी कि वे दास हों। वे मिशनरी यहाँ तक अपने मन में इस बोझ से भरे हुए थे कि नीग्रो लोगों को दासत्व के बंधनों से छुड़ाने के लिए स्वयं दास बन गए। दास बनने के लिए उन्हें कान में छेद करानी पड़ी एवं उनके शरीरों में कम से कम 12 कोड़ों के चिन्ह होने जरूरी थे। उन्हें अपने साथ बाइबल ले जाने की अनुमति नहीं थी। अतः उन्हें संपूर्ण बाइबल याद करनी पड़ी एवं उन द्वीपों में प्रभु के लिए मोबाइल बाइबल के रूप में बड़े ही उत्साह के साथ प्रवेश करते हैं और नीग्रो दासों को जनसमूहों में सुसमचार प्रचार करते हैं।

भारतीयों के लिए कौन आएगा? जो कि आधुनिक दासत्व की सूची में शीर्ष पर हैं। कौन दरार में खड़ा होगा और उनके लिए आँसुओं में याचना करेगा? उनके छुटकारे के मिशन में हमारा क्या भाग है? “राष्ट्रों को उनके घुटनों पर लाने के लिए पहले हमें घुटनों पर आना होगा।” — बिली ग्राहम । अतः आइए, हम आएँ, घुटना टेकें एवं देशों पर जय प्राप्त करें।

— मर्सी सेल्विन संवाद विभाग

और अपने आप को स्वतंत्र जानो पर अपनी इस स्वतंत्रता
को बुराई के लिए आड़ न बनाओ, परंतु अपने आप को परमेश्वर
को दास समझ कर चलो। 1 पतरस 2:16

एक व्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित कराने के लिए मसीही को
परमेश्वर के प्रकाश जोकि परमेश्वर का सत्य है का अनुभव करना
आवश्यक है। वच मैन नी

क्योंकि उनका अंत तो मृत्यु है, परंतु अब पाप से स्वतंत्र होकर
और परमेश्वर के दास बनकर तुमको फल मिला जिससे पवित्रता प्राप्त होती है,
और उसका अंत अनंत जीवन है। रोमियो 6:22

यह आत्मिक स्वतंत्रता है— जो छिनी नहीं जा सकती—
जो जीवन को अर्थपूर्ण एवं उद्देश्यपूर्ण बनाती है।
विक्टर वी फ्रैंकल

मित्र समाचार

मित्र समाचार प्रार्थना दल (एफ.एम.पी.बी.)
का एक अधिकारिक अंग है।

मित्र समाचार प्रार्थना दल पूर्ण सवदेशी मिशनरी
आन्दोलन है जो उन समुदायों के बीच में
सुसमाचार प्रचार का कार्य करती है जिन्होंने
सुसमाचार को नहीं सुना है।

यह कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए
कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

मित्र समाचार प्रार्थना दल विभिन्न समुदायों के
बीच में संतुष्ट सुसमाचार का प्रचार करती है।

मित्र समाचार प्रार्थना दल कलीसियाओं, संस्थाओं,
परिवारों तथा व्यक्तिगत रूप से लोगों को प्रार्थना
करने एवं इसके कार्य में सहयोग प्रदान करने के
लिए आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिश और
आवेदन
feedbackfmpb@fmpb.org

Publisher & Editor

S. Sutharsan Thomas Jeyaraj



**FRIENDS
FOCUS**

A monthly blossom of FMPB

SUBSCRIPTION	INDIA	FOREIGN
Annual	Rs.100	Rs.600
Life	Rs.1500	Rs.5,000

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053

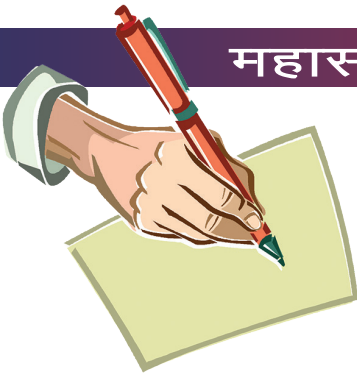
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353

Cell: 9444394342

E-mail: info@fmpb.org

Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb



महासचिव की मेज से....

आनंदित होगा, और अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर में मगन रहेगा। विश्वास कहाँ से आता है? विवास आता है क्योंकि संप्रभु परमेश्वर सर्वशक्ति है। हमारे जीवनोँ में भी जौभी कि हमार पास मूलभूत आवश्यकता की चीजें न हों पर संप्रभु परमेश्वर हमारी सामर्थ होगा। जिस पर हम आनंत होंगे एवं हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर में मगन होंगे।

प्रभागीय अध्यक्षाँ की 2 दिवसीय उपवास प्रार्थना

16 एवं 17 जून को प्रभागीय प्रमुखों के साथ मेरी 2 दिवसीय उपवास प्रार्थना थी। यह सामुहिक उपवास प्रार्थना सभी स्तरों पर आयोजित की जा रही है। हर तीन महिने पर सभी सचिव अपनी टीम के साथ 2 दिवसीय उपवास प्रार्थना करते हैं।

विभागीय सचिवों के साथ सभा

20 जून को तमिलनाडू एवं पोनडी मोबिलइजेशन सचिवों के साथ युवा सचिवों, स्कैन, महिला विंग एवं प्रार्थना विंग के सचिवों के साथ उन सभी विभागों की सेवकाई की समीक्षा के लिए तथा भविष्य की सेवकाई के लिए मेरी एक सभा थी।

कोयंबटूर सभा

24 एवं 25 जून को मैं कोयंबटूर मोबिलाइजेशन अगुवों से इस उद्देश्य के साथ मिला कि ए.एम.पी.बी. के प्रति उनकी समर्पित सेवकाई के लिए उन्हें धन्यवाद दूँ तथा दर्शन संबंधी कुछ योजनाओं पर उनके साथ विचार विमर्श करूँ। मैं कुछ प्रार्थना योद्धाओं से मिला जो आत्माओं के लिए तथा देश के लिए प्रार्थना करने को दरार में खड़े रहते हैं। मैं एक सेवानिवृत्त महिला मिशनरी से मिलकर काफी उत्साहित हुआ जो एफ.एम. पी.बी. सेवकाई के लिए प्रार्थना समूह अगुवों के निर्माण एवं विकास में लगी हुई हैं।

सुसमाचार नहीं सुने हुए भारतीय लोगों तक पहुंचाने के मिशन में हमारे सहभागियों,

हमारे प्रभु यीशु के सामर्थी नाम में शुभकामनाएं,

मैं इस संपादकीय को झारखंड से लिख रहा हूँ। अश्शूरी साम्राज्य से बेबीलोन की साम्राज्य की ओर बदलाव के समय के अति निकट से हबक्कूक नबी परमेश्वर के साथ वार्तालाप में लगे थे। हबक्कूक ने परमेश्वर द्वारा दिए गए प्रत्युत्तरों के अंत में प्राप्त शिकायतों की एक छोटी सूची बनाया है। जब हबक्कूक के रोदन का प्रत्युत्तर मिला, तब उसने परमेश्वर पर विश्वास के गीत के साथ पुस्तक को अंत किया।

हबक्कूक अपनी पुस्तक के अध्याय 3 के 17 से 19 पदों में निष्कर्ष प्रदान करते हैं, कि भोजन की कमी या आकाल के समय में भी वह परमेश्वर पर भरोसा रखेंगे। मानव जातिके लिए सारी मूलभूत आवश्यकताओं के मध्य भोजन की आवश्यकता सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि भोजन के बिना एक व्यक्ति ज्यादा देर तक जीवित नहीं रह सकता। यहाँ पर हबक्कूक ने जिन सारी चीजों का जिक्र किया है वे सभी भोज्य पदार्थ से संबंधित हैं जैसे अंजीर, अंगूर, जैतून तथा खेतों में उपजने वाले अनाज, भेड़ और अन्य मवेशी। वह गाता है कि उपरोक्त में से कोई भी वस्तु न भी उपलब्ध हो, तौभी वह केवल विश्वास नहीं करेगा बल्कि प्रभु में

वलपराई सभा

26 जून को मैंने वलपराई मुख्य कलीसिया में परमेश्वर का वचन साझा किया और दो अन मिशनरीगणों ने दो अन्य कलीसियाओं में प्रभु का वचन बाँटा। उसके बाद पुराने वलपराई कलीसिया में वलपराई के अगुवों के साथ एक मिलन सभा का आयोजन किया गया था। सेवकाई के लिए कलीसिया के पास्टरों का सहयोग बड़ा ही अभिभूत कर देने वाला है।

कोलाचेल सभा

2 जुलाई को कोलाचेल सी.एस.आई चर्च, कन्याकुमारी में एक एकदिवसीय रिट्रिट का आयोजन किया गया था। पास्टर्स, कलीसिया की समिति एवं एफ.एम.पी.बी के अगुवों ने मिलकर बहुत ही अच्छी व्यवस्था की थी। वयस्कों के लिए, बच्चों के लिए एवं युवाओं के लिए अलग अलग सभाओं का आयोजन किया गया था।

वार्षिक शिविर समीक्षा

3 जुलाई को हम तमिलनाडु वार्षिक शिविर में प्रभु ने जो अद्भुत आशीषें उंडेलीं उसके लिए प्रभु को धन्यवाद देने तथा सभा की समीक्षा के लिए दानिशपेट के बेथेल कैंपस में एकत्र हुए। हमारे हृदय बहुत ही धन्यवादीपन और आनंद से भरे हुए थे जैसे कि हर एक सहयोगी समूहों ने बताया कि परमेश्वर के हाथ ने कैसे कैसे अद्भुत कामों को किया है। निश्चय ही वार्षिक शिविर में की सारी आशीषें परमेश्वर का काम थीं। सारी महिमा प्रभु को मिले।

सम्पत्ति विभाग के साथ सभा

8 जुलाई को मैं संपत्ति विभाग के संयोजक एवं सचिव से मिला ताकि विभाग के भविष्य सेवकाई के बारे में योजना बनाई जाए। इस समूह में हमारे साथ इंजीनियर और वकील भी हैं। हमें आपकी बहुत सारी प्रार्थनाओं की आवश्यकता है जैसे कि वो पूरे देश में एफ.एम.पी. बी के निर्माण कार्यों की देखरेख कर रहे हैं।

त्रिची मिशन फेस्टिवल

त्रिची— तंजावुर डायोसीस ऑफ सी.एस.आई. ने एक मिशन फेस्टिवल का आयोजन किया था जिसमें मुझे प्रभु के वचन बाँटने का सुअवसर मिला। डायोसीस के प्रिय बिशप उस सभा की अध्यक्षता कर रहे थे। बिशप तथा कलीसिया के सभी अगुवों के लिए मैं प्रभु की प्रशंसा करता हूँ कि उनके हृदयों में देश के कोने कोने तक सुसमाचार पहुँचाने का बोझ है।

एन.ई.एल.सी. मॉडरेटर के साथ सभा

फील्ड के अगुवों के साथ मैं 15 जुलाई को एन.ई.एल. सी. के नवनियुक्त मॉडरेटर तथा उनके सिनोड के अध्यक्ष एवं सचिव से मिला। एफ.एम.पी.बी एवं एन.ई. एल.सी के मध्य सहभागिता की यह 33वां वर्ष है। इस सभा ने हमारे नए अगुवों को कलीसिया के नवनियुक्त अगुवों के साथ परिचय कराने में मदद किया।

ए.बी.ए. के साथ एम.ओ.यू.

प्रभु की इच्छा थी कि हम अरुणाचल प्रदेश के अपातानी बैप्टिस्ट चर्च के साथ एम.एओ यू का नवीनीकरण करें। जिसे 8 अगस्त को जीरो वैली अरुणाचल प्रदेश में किया जाएगा।

एन.एफ.जेड. परिवार मिलन सभा

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मिशनरीगणों के लिए आत्मिक सम्मेलन का आयोजन 9 से 11 अगस्त को नहारलौग असोम में आयोजित किया जाएगा। यात्रा करने वाले समस्त मिशनरी परिवारों के लिए प्रार्थना करें।

प्रभु के मिशन में आपका सहयात्री,



रेव. जॉन बर्लिन एस.

परमेश्वर का स्वतंत्रता दिवस



**और मैं चोड़े स्थान में चला फिरा करूंगा,
क्योंकि मैं ने तेरे उपदेशों की सुधि रखी है।
(भजन संहिता 119:45)**

जैसे कि हम 15 अगस्त को हमारे देश का स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, हमें याद करने की आवश्यकता है कि कैसे हमने एक देश के तौर पर उन देशों के नियंत्रण से स्वयं को आजाद घोषित किया, जिन्होंने हम पर नियंत्रण कर रखा था। तिरंगे का फहराया जाना, देशभक्ति की आवाज, ब्रिटिश सत्ता के हाथों से हमने आजादी कैसे पाई इसका वर्णन किया जाना, हमारी आजादी के नायकों को सलामी दिया जाना, तथा टेलीविजन पर स्वतंत्रता दिवस की परेड देखना इस दिन की सामान्य बात है। आइए हम हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए परमेश्वर की महिमा करें। जिसने हमें स्वतंत्रता का अनुभव करने दिया, राजनीतिक स्वतंत्रता, आराधना की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता, सपनों एवं अवसरों को प्राप्त करने के स्वतंत्रता, वाणी की स्वतंत्रता तथा हमारे देश के लोकतांत्रिक गतिविधियों में भाग लेने की स्वतंत्रता तथा और भी विभिन्न तरीकों से हम स्वतंत्रता का अनुभव करते हैं।

हमारे स्वतंत्रता दिवस का मनाया जाना इस महान देश के प्रति आभारी मन से उमड़ आता है। जौभी कि प्रभु यीशु सबसे महान हैं। प्रभु यीशु का पहाड़ी उपदेश जिसने महात्मा गाँधी के सत्याग्रह आंदोलन के लिए मार्गप्रशस्त

किया एवं भारत के लिए स्वतंत्रता को ले आया। भारत देश में रहने के सुअवसर के लिए हम स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को मनाते हैं। हम उनको स्मरण करते हैं जिन्होंने स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। जौभी कि प्रभु यीशु की मृत्यु के द्वारा हमें जो स्वतंत्रता प्राप्त हुई है वह सर्वाधि 1क महान है। अतः यदि कलीसिया स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रगान गाती है तो उसे संपूर्ण हृदय से गाना चाहिए। यह हमारी आराधना को विस्थापित नहीं कर देता है। हम प्रभु के प्रति हमारे समर्पण की कीमत पर अपने आभार एवं आनंद को घोषित नहीं करते। हम साधारणतः हमारे देश को स्वतंत्रता दिलाए जाने पर आनंद मनाते हैं

बाइबल में स्वतंत्रता दिवस

बाइबल के दुष्टिकोण से इस्राएल की संतानों ने मिश्र से बाहर निकलते हुए उनकी स्वतंत्रता को चिन्हित किया जब परमेश्वर ने उन्हें मिश्र से निकलने की तैयारी करने का निर्देश दिया (निर्गमन 12)। यह घटना परमेश्वर के द्वारा मिश्र पर लायी गई महामारियों के बाद घटित हुई जिसका मिश्र देश पर ऐसा प्रभाव पड़ा कि वह तबाह हो गया (निर्गमन 17)। याकूब के वंशजों को अपनी स्वतंत्रता के लिए स्वयं नहीं लड़ना पड़ा। परमेश्वर उनके बदले में सारा युद्ध लड़ा।

जब इस्राएली मिश्र को छोड़ गए और लाल समुद्र को पार किया तो वो वास्तव में एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गए, जिसका राजा स्वयं परमेश्वर था एवं मूसा परमेश्वर की ओर से उनके देश के लिए मानव प्रतिनिधि के तौर पर था। परमेश्वर ने उन्हें उनका खुद का कानून दिया। वह कानून व्यवस्था जिसमें परमेश्वर की आराधना करने की विधि व्यवस्था तथा अपने साथी नागरिकों के साथ व्यवहार करने की व्यवस्था दी गई थी।

बाद के समय में, इस्राएली लोग अपने पापों के कारण बेबीलोन की गुलामी में चले गए। लगभग 70 सालों बाद उन्हें मादी-फारसी राजाओं के द्वारा यरूशलीम वापस लौटने की अनुमति मिली। इस्राएल के बचे हुए लोगों ने अपने देश का पुर्ननिर्माण आरंभ किया। वापस लौटने पर उन्होंने मंदिर को तथा नगर की शहरपनाह को दुबारा बनाया। उसके बाद उन लोगों ने जो बेबीलोन की दासता से वापस लौटे थे उनका विश्वास प्रभु पर पुनः दृढ़ हुआ।

विश्वासियों का स्वतंत्रता दिवस

कुछ सदियों बाद प्रेरित पौलुस एक व्यक्ति के बारे में बात करता है जिसका अपना स्वतंत्रता दिवस था। यह स्वतंत्रता किसी सरकार की गुलामी से आजादी की बात नहीं बल्कि पापमय जीवन से स्वतंत्र जीवन जीने की है। यह नया जीवन प्रभु यीशु की शिक्षाओं तथा प्रेरितों और नबियों की शिक्षाओं पर आधारित होगा। सच्ची स्वतंत्रता प्रभु यीशु के साथ व्यक्तिगत रिश्ते के साथ आरंभ होती है। जैसे कि उसी के द्वारा सब वस्तुएं बर्नीं (यूहन्ना 1:3)। अतः हमारी स्वतंत्रता, वास्तव में संपूर्ण स्वतंत्रता है, जो उनसे बहती है। वह ही है जो सारी स्वतंत्रता और जीवन का स्रोत है। प्रभु यीशु के साथ व्यक्तिगत रिश्ते से बाहर सभी प्रकार के बंधन हैं क्योंकि सच्ची स्वतंत्रता और पाप एक साथ नहीं रह सकते। सच्ची स्वतंत्रता हमें –

- पापों के दण्ड से मुक्त
- मृत्यु के भय से मुक्ति
- पापों की ताकत से छुटकारा
- जीवते परमेश्वर से प्रेम करने एवं सेवा की स्वतंत्रता
- सारी बातों के लिए प्रभु पर निर्भरता प्रदान करती है। अतः मसीही लोगों के लिए हर दिन स्वतंत्रता दिवस है।

राष्ट्रीय एवं आत्मिक स्वतंत्रता दिवस मनाना

स्वतंत्रता दिवस एवं प्रभु यीशु के अनुयायी होने के नाते हमें जो स्वतंत्रता मिली है उसके मध्य बहुत सारे समानांतर पाए जाते हैं। जिस तरह हम देश के उन शहीदों का आदर करते और मनाते हैं, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए कुर्बानी दी। उसी तरह हमें प्रभु परमेश्वर को भी आदर एवं सम्मान देने के लिए समय देना चाहिए जिसने अपने बेटे के सर्वसिद्ध बलिदान दिया ताकि हमें पाप एवं मृत्यु के बंधनों से हमें आजादी दिला सके।

जिस तरह हम भारतीय होने के नाते अंग्रेजों की गुलामी से अपने देश की स्वतंत्रता दिवस पर आनंद मनाते हैं, उसी तरह हमें हमारी व्यक्तिगत एवं आत्मिक स्वतंत्रता के लिए आनंद मनाना चाहिए जिससे हमें परमेश्वर के राज्य का नागरिक बना दिया है।

जिस तरह हम भारतीय होने के नाते अपने अधिकारों का आनंद उठाते हैं, उसी तरह हमें परमेश्वर के स्वरूप को पुनः प्राप्त करने एवं मसीह के अनुयायी होने के नाते हमें जो अद्भुत अदम्य शक्ति एवं अधिकार मिले हैं उन्हें भी आनंद से मनाना चाहिए।

अतः आइए हम भारतीय के रूप में स्वतंत्रता दिवस मनाएं, किंतु और भी आवश्यक है कि प्रभु यीशु द्वारा दी गई स्वतंत्रता कभी न भूलें।

मिशन का स्वतंत्रता दिवस

हम अपने देश की कहानी के द्वारा अपने बाइबल की कहानी को देखते हैं। हम बाइबल द्वारा दिए गए छुटकारे को देश के छुटकारे के साथ जोड़ते हैं। प्रभु यीशु हमें भारतीय के तौर पर बिना हमारी राष्ट्रीयता बदले बचा लेते हैं। यीशु ने परमेश्वर के राज्य का प्रचार किया। परमेश्वर का राज्य बिना राष्ट्रीय आशय के नहीं था। यह तो न्याय एवं सहिष्णुता पर आधारित समाज का एक दर्शन था। यह परमेश्वर पर आधारित एक परिवार का दर्शन था, एक ऐसा समाज जिसमें लोग भाई बहनों की तरह रहें। उसने परमेश्वर के राज्य को एक ऐसे स्थान के रूप में देखा

जिसमें कमजोर एवं दलितों को एक मौका मिले। उसने धन्य गरीब के बारे में तथा इनमें से सबसे निम्न के बारे में कहा। उसके पास एक ऐसे समुदाय का दर्शन था जिसमें सबसे शक्तिहीन और सबसे कमजोर जो थे वो सबसे सुरक्षित तथा सबसे मूल्यवान थे। प्रभु का आत्मा मुझ पर है इसलिए कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिए मेरा अभिषेक किया है, और मुझे इसलिए भेजा है कि बंदियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टि पाने का समाचार प्रचार करूँ और कुचले हुआँ को छुड़ाऊँ। (लूका 4:18 एवं यशायाह 61:1)

यहां पर राज्य का सपना है। जो कि परमेश्वर की इच्छा इस धरती पर पूरी हो जैसा कि स्वर्ग में पूरी होती है। (मत्ती 6:10) एक उच्च स्तरीय बुलाहट के पूरी करने में हम अपने जीवनो को एवं देश को समर्पित करने के द्वारा हमारे पास सच्ची स्वतंत्रता है। आरंभिक अमेरिकी इतिहास के एक प्रख्यात व्यक्तित्व एवं एक राजनेता बेंजमिन फ्रैंकलिन के अनुसार हम सभी किसी चीज के द्वारा चलाए जाते हैं। अतः आइए हम परमेश्वर के द्वारा चलाए जानेको चुनें जो हमें सच्चाई एवं अनंत स्वतंत्रता की राह पर चलाता है।

विश्वासी होने के नाते, हम बुलाए गए हैं कि अपनी स्वतंत्रता को आगे परमेश्वर की योजना एवं इच्छा पूरी करने में लगाएं। जो कि उस महान आज्ञा के द्वारा लाया गया है कि अपने प्रभु से अपने सारे मन, अपनी सारी शक्ति अपने सारे प्राण से प्रेम करना एवं अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना या कि जैसा हम स्वयं चाहते हैं कि हमसे प्रेम किया जाए उसी तरह वैसा ही दूसरों से प्रेम करना। अतः परमेश्वर एवं मानव के प्रति इस प्रेम में आइए हम संसार को यह जानने दें कि परमेश्वर का निःस्वार्थ प्रेम उसके पुत्र यीशु को इस संसार में भेजने के द्वारा प्रकट हुआ, जिसे हम सुसमाचार संदेश के रूप में जानते हैं जो कि एक महान आज्ञा है। हम केवल परमेश्वर के राज्य की पूर्ति के लिए प्रार्थना करने नहीं बुलाए गए किंतु पूरे देश में परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए बुलाए गए हैं।

आत्मिक स्वराज हमारे देश के हर नागरिक का जन्मसिद्ध अधिकार है।

स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। अपने इस ऊर्जावान स्लोगन के द्वारा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने हमारे भारतीय लोगों के विचारों को उद्बलित कर दिया और स्वतंत्रता आंदोलन में नई साँस फूँक दी। आत्मिक स्वराज हमारे देश के हर नागरिक का जन्मसिद्ध अधिकार है। और परमेश्वर चाहता है कि हर व्यक्ति का उद्धार हो और वे सत्य को भली भांति पहिचान लें। (1 तिमोथियुस 2:4) आत्मिक स्वराज आज भी हमारे देश के लोगों का जन्मसिद्ध अधिकार है। भारतीय होने के नाते हम इस भूमि में स्वतंत्र रह सकते हैं, किंतु हमारे सारे राजनीतिक एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के होने के बावजूद भी मसीह के बिना हमारे देशवासी जेलों में बंद लोगों से ज्यादा गुलाम हैं। प्रभु यीशु हमारे देश के लोगों को स्वतंत्र करना चाहते हैं। जी वास्तविक स्वतंत्रता आत्मिक स्वतंत्रता है।

जब हम हमारे देश के स्वतंत्रता दिवस को मना रहे हैं प्रभु अपने प्रेम एवं देशप्रेम को हमारे दिलों में डाले जैसा पहले कभी न था। हम हर एक अपने क्षेत्र में एक बदलाव लाएं, जैसे कि हम प्रभु के साथ एवं अपने देश भारत के साथ निष्ठा की प्रतिज्ञा करते हैं। जब हम आभार के साथ 15 अगस्त को पिछले समय की ओर देखते हैं, हम विश्वास के साथ भविष्य की ओर भी देखें, कि प्रभु यीशु के नाम पर हर एक घुटना टिकेगा और हर जुबान उसी का अंगीकार करेगी। (फिलिप्पी 2:10) आइए हम अपना जीवन प्रभु की इच्छा पूरी करने के लिए समर्पित करें। तब प्रभु की सच्ची स्वतंत्रता हर भारतीय के दिलों में राज करेगी।

भजनकार के प्राचीन गीत में कहता है—क्या ही धन्य है वह राज्य जिसका परमेश्वर यहोवा है। (भजन 33:12) यह निश्चय जल्द ही अनुभव किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस मुबारक हो।

— जे.जे.हेरिस, एच.आर.डी., एफ.एम.पी.बी

सेवा करने की स्वतंत्रता !

मसीह ने स्वतंत्रता के लिये हमें स्वतंत्र किया है; इसलिए इसमें स्थिर रहो, और दासत्व के जूए में फिर से न जुतो। (गलातियों 5:1)

परन्तु ऐसा न हो, कि यह स्वतंत्रता शारीरिक कामों के लिये अवसर बने, वरन् प्रेम से एक दूसरे के दास बनो। (गलातियों 5:13)

1. मसीह ने हमें स्वतंत्र किया है:

(गलातियों 5:1)

मसीह का कीमती लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है। 1 यूहन्ना 1:7
मसीह हमें हमारे वर्तमान पापों से मुक्त करेंगे यदि हम अपने पापों को स्वीकार करते हैं; हमें प्रत्येक पापों को स्वीकार करना चाहिए। सिर्फ यह कहना पर्याप्त नहीं है कि "मैं एक पापी हूँ"। बल्कि हमें अपने द्वारा किये गए प्रत्येक पाप को देखना चाहिए और अपने प्रत्येक पाप के लिए परमेश्वर से क्षमा माँगना चाहिए। इसलिए यूहन्ना यहाँ कहता है कि हमें अपने पापों को स्वीकार करना चाहिए।

हमारा परमेश्वर अनुग्रहकारी है: यूहन्ना 6:37 कहता है - जो कोई मेरे पास आएगा उसे मैं कभी न निकालूँगा। बाइबल भजन संहिता 103:8-10 में कहती है "यहोवा दयालु और अनुग्रहकारी, विलम्ब से कोप करनेवाला और अति करुणामय है"। वे कभी आरोप नहीं लगायेंगे और न ही कभी हमेशा के लिए अपने हृदय में क्रोध को रखेंगे। क्योंकि परमेश्वर कृपालु है, इसका यह अर्थ नहीं है कि हम बार-बार पाप कर सकते हैं। उदाहरण के रूप में - हमारे घर



में हमारे कपड़े धोने के लिए एक साबुन है, और एक ख्याल रखने वाली माँ है जो हमारे कपड़े धो देती है। पर यदि कोई बेटा जानबूझ कर अपने कपड़े गन्दा करता है और अपनी माँ को कपड़े धोने का आदेश देता है, तो यह कैसा लगेगा? उसी तरह से, यीशु मसीह हमारे पापों को धोने के लिए तैयार है, परन्तु हमें बार-बार यह सोच कर पाप नहीं करना चाहिए कि परमेश्वर हमें क्षमा करेंगे इसलिए हम अपनी मर्जी से जीवन बिता सकते हैं। हमें जानबूझकर कर पाप करने से बचना चाहिए।

यीशु मसीह ने क्रूस पर अपनी जान दे कर हम सभी के पापों का दंड चुका दिया है। इसी तरह, हमें भी अपने पापों के लिए हर दिन मरना चाहिए। यदि हम वही पाप बार-बार करते हैं तो इसका मतलब है कि हम अपने पापों के लिए नहीं मरे हैं।

II. दृढ़ता से खड़े रहे :

इसका मतलब है कि हमारे मन में फिर कभी पाप न करने का दृढ़ संकल्प होना चाहिए। बाइबल कहती है कि अपने हृदय की कठोरता के कारण राजा यहोयाकीम ने जानबूझकर यिर्मयाह द्वारा लिखित परमेश्वर के वचन को जलाकर पाप किया। हम यिर्मयाह 36:28 में देखते हैं कि परमेश्वर ने यिर्मयाह को पहली पुस्तक के सब वचन को पुनः लिखने का निर्देश दिया। राजा के पाप के कारण, उसके लोगों को बंदी बना कर

बेबीलोन ले जाया गया। इन बंदियों में दानियेल, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह जैसे जवान थे। इन लोगों के पास स्वयं को अपवित्र न करने का एक मजबूत संकल्प था। इसलिए परमेश्वर ने उन्हें ऊंचा किया। परमेश्वर ने दानियेल को ऊंचा उठाया और राजा के बगल में खड़ा किया क्योंकि उसमें अन्यजातियों के देश में पाप न करने का दृढ़ संकल्प था। दानियेल के प्रार्थना जीवन ने राजा को दिखाया कि यहोवा ही परमेश्वर है। इसलिए हम (दानियेल 6:26) में पाते हैं “मैं यह आज्ञा देता हूँ कि जहाँ-जहाँ मेरे राज्य का अधिकार है, वहाँ के लोग दानियेल के परमेश्वर के सम्मुख काँपते और थरथराते रहें, क्योंकि जीविता और युगानुयुग तक रहनेवाला परमेश्वर वही है; उसका राज्य अविनाशी और उसकी प्रभुता सदा स्थिर रहेगी”। बाइबल हमें बताती है कि यद्यपि दानियेल और उसके दोस्तों को दास के रूप में लाया गया था, परमेश्वर ने उन्हें ऊंचा किया और वे बेबीलोन के शक्तिशाली नेता बन गए। राजा यहोयाकीम को दास के रूप में बंदी बनाया गया और वह वहीं मर गया।

III. अपनी स्वतंत्रता का उपयोग पापी प्रकृति में लिप्त होने के लिए न करो बल्कि प्रेम से एक दूसरे की सेवा करो। (इफि. 5:13)

सबसे मेल मिलाप रखो, और उस पवित्रता के खोजी हो जिसके बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा। [इब्र 12:14]

मैंने गुजरात में एक मिशनरी के रूप में 40 साल काम किया। हमारी सेवकाई के प्रारंभिक भाग के दौरान, अंबापानी के कुछ लोगों ने प्रभु को स्वीकार किया और बपतिस्मा लिया। इससे ग्राम प्रधान नाराज हो गया और उसने नया नियम बनाया जिसके तहत नए ईसाइयों को गांव के कुएं से पानी खींचने पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया। इससे गांव में तनाव का माहौल बन गया और नए विश्वासियों ने मुझे गांव में हो रही घटनाओं के बारे

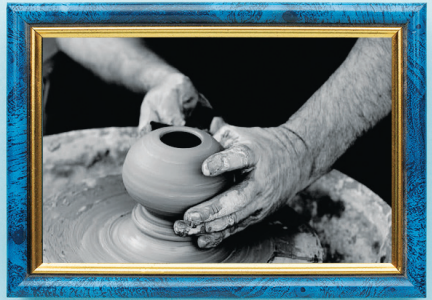
में बतलाया। वे जिला पुलिस स्टेशन में शिकायत करना चाहते थे क्योंकि ग्राम प्रधान का ऐसा कुछ करना अवैध था। मैंने नए विश्वासियों को चर्च में इकट्ठा किया और हम सबने मिल कर प्रार्थना किया। हमारी प्रार्थना के दौरान, विश्वासियों में से एक रंजीत भाई को एक दर्शन मिला। उसने हमें बताया कि उसे एक दर्शन मिला है जिसमें परमेश्वर ने उसे अपने खेत में कुआं खोदने का निर्देश दिया। सभी विश्वासियों ने इस दर्शन को स्वीकार किया और रंजीत भाई के खेत में कुआं खोदना शुरू किया। उन सबने कुआं खोदने के लिए एक साथ काम किया। जब उन्होंने 10 फीट गढ़ा कोड़ा तो पानी फव्वारे की तरह बहने लगा। विश्वासियों ने नए कुआं के दीवार को मिट्टी और टीक के पत्तों से पलस्तर किया जैसा की वहाँ का रिवाज़ था। नए विश्वासियों के पास अब पानी था। यह घटना अप्रैल माह के पहले सप्ताह में हुई। मई में जब भारत में गर्मियों का मौसम होता है, अंबापानी गाँव का कुआं सूख गया। ग्रामीणों को पानी लाने के लिए 5 किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा था। इस दौरान रंजीत भाई के कुएं में पानी था। ग्राम प्रधान की पत्नी ने श्रीमती रंजीत से अनुरोध किया कि क्या वह उसे उनके कुएं से पानी खींचने की अनुमति देगी। श्रीमती रंजीत ने अपना खुला हाथ बढ़ाया और उसे कहा कि सभी ग्रामीण उनके कुंवे से पानी खींच सकते हैं। नए विश्वासियों की इस दया ने ग्राम प्रधान के हृदय को छुआ जो पहले उनके प्रति कठोर था। उसने कहा कि मसीही दयालु और प्यारे हैं और वह यीशु के बारे में जानना चाहता है। प्रभु ने ग्राम प्रधान के हृदय को छुआ और गाँव के सभी 40 परिवारों ने यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। विश्वासियों के प्रेम ने इन 40 परिवारों को परमेश्वर के करीब लाया। इसलिए हमें एक दूसरे की सेवा प्रेम से करनी चाहिए।

- रेव. जॉनसन बरनाबस
FMPB मिशनरी (रिटायर्ड)

परमेश्वर की स्वर्गीय योजना !

(भाई सुसी प्रभाकर दोस)

“जो कल्पनाएँ मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन् कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूँगा।”
(यिर्म 29:11)



तमिल बाइबिल में 'विचार' शब्द का अनुवाद अंग्रेजी बाइबिल में 'योजना' (plan) है। हमारे मन में सबसे पहले विचार आते हैं, जिसके बाद हम उसी तर्ज पर योजना बनाते हैं। विचार योजना को उत्पन्न करती है। हमारे त्रिएक स्वर्गीय पिता के विचार, उनकी योजना के रूप में हमारे हाथों में सौंप दिया जाता है। इसलिए आपको और मुझे प्रेम से बुलाया जाता है ताकि हम योजना के अनुसार चल सके - हमारे स्वर्गीय पिता की स्वर्गीय योजना हमारे लिए तैयार की गयी है। योजनाओं को दो प्रकारों में विभाजित किया जा सकता है - 1. सांसारिक 2. आध्यात्मिक। सांसारिक योजना इस बारे में है कि हम प्रभु की इच्छा के अनुसार खुद को कैसे प्रतिबद्ध करते हैं और कैसे उनकी योजना के अनुसार जीवन व्यतीत करते हैं। हम कैसे हमारे बच्चों का पालन-पोषण करते हैं, उन्हें कैसे शिक्षित करते हैं, उन्हें कैसे स्थापित करते हैं, और क्या संपत्ति उनके लिए खरीदना चाहते हैं, आदि। ये सब गलत नहीं है। ये सभी परफेक्ट योजनाएँ हैं। आध्यात्मिक योजना दिव्य उद्देश्य उन्मुख है। यह परमेश्वर के राज्य और उस राज्य के विस्तार से सम्बंधित है। इसलिए परमेश्वर हमें बुला रहे है ताकि हम उनके द्वारा बनाये गए स्वर्गीय योजना के अनुसार चल सके।

प्रेरितों के काम 13:16 दाऊद के सन्दर्भ में है कि किस प्रकार उसने अपनी पीढ़ी के दौरान परमेश्वर द्वारा दी गयी सेवकाई को पूरा किया। हो सकता है कि मेरे या आपके जीवनकाल में अगली पीढ़ी के लिए हमने कुछ नहीं किया, पर हम कुछ कर सकते हैं अगर परमेश्वर हमारे दैनिक जीवन का नेतृत्व करे। हमें नहीं पता कि निकट भविष्य में परमेश्वर अपनी सेवकाई के लिए किस प्रकार की

योजना बनाने जा रहे हैं। इसलिए हमें उनकी सेवा करने के अवसर से चूकना नहीं चाहिए क्योंकि हमें हमारी पीढ़ी में उनकी सेवा करने के लिए बुलाया गया है। दिव्य योजना वास्तव में उन ही से जुड़ी हुई है। यह योजना आध्यात्मिकता और परमेश्वर के राज्य के निर्माण से जुड़ा हुआ है। मत्ती 6:33 में यीशु ने कहा, “इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और धार्मिकता की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ तुम्हें मिल जाएँगी।” कुलुस्सियों 3:1 (ब) में लिखा है “स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो”।

I. खोजना :

परमेश्वर ने हमारे लिए अपने हृदय में एक योजना निर्धारित की है। हमें उसी का पता लगाने के लिए बुलाया गया है। आप में से कुछ को पता चल गया होगा और पहले से उसमें शामिल रहे होंगे। तो इस भविष्यवाणी ने, जो यिर्मयाह के समय के समय की गयी थी, परमेश्वर की योजना को समझने के लिए उन लोगों की मदद की होगी जब वे अपनी बंधवाई के दिनों के बाद यरूशलम को लौटें। परमेश्वर ने नहेमायाह को भेजा जिससे परमेश्वर द्वारा बनायी गयी दिव्य योजना मिली। नहेमायाह ने न तो परमेश्वर की वाणी सुनी और न ही उसे परमेश्वर का दर्शन मिला। कोई भविष्यद्वक्ता नहीं भेजा गया था उसे निर्देश देने के लिए। फिर भी, उसकी योजना उसके राष्ट्र के प्रति उसके बोझ का परिणाम था। उसी प्रकार एन्ना ने परमेश्वर के मंदिर को बनाया। वे यरूशलम की दीवारें और परमेश्वर के मंदिर का निर्माण करने के बाद नहीं रुके। उन्होंने लोगों को उनकी प्राथमिकताएँ ठीक करने में मदद की। “परमेश्वर, आपने हमारे विषय में अपनी योजना और विचारों को अपने हृदय में

रखा है। कृपया इसे हमारे सामने प्रकट करें" ऐसी हमारी प्रार्थना होनी चाहिए।

कुछ लोगों ने अपने जीवन के लिए परमेश्वर की योजना का पता लगा लिया है। कुछ परमेश्वर की उपस्थिति में पता चलने का इंतजार कर रहे हैं। परमेश्वर दोनों तरह के लोगों को आशीषित कर रहे हैं। इब्रानियों 13:4 में परमेश्वर कलीसिया के उत्थान के लिए कुछ शिक्षकों, भविष्यद्वक्ता और प्रचारकों को नियत कर रहे हैं। कोई भी खुद से अपने आप को विकसित कर सकता है, चाहे वो एक संगठन का नेता हो, भविष्यद्वक्ता हो, प्रचारक हो, या मिशनरी हो। परमेश्वर स्वयं प्रत्येक को नियुक्त कर रहे हैं। बाइबल स्पष्ट रूप से बताती है, "और यह आदर का पद कोई अपने आप से नहीं लेता, जब तक कि हासून के समान परमेश्वर की ओर से ठहराया न जाए।" [इब्र.5:4]

परमेश्वर की इस योजना को दो भागों में अलग किया जा सकता है - 1. सामान्य उद्देश्य और 2. व्यक्तिगत उद्देश्य। सामान्य उद्देश्य परमेश्वर के राज्य का निर्माण करना है। व्यक्तिगत उद्देश्य यह है कि एक इंसान की अज्ञाकारिता ने पृथ्वी पर बहुत प्रभाव डाला।

परमेश्वर ने हर इंसान को एक दिव्य योजना के साथ बनाया है। कुछ को शिक्षक बनने के लिए बुलाया गया है, कुछ को चरवाहा बनने, कुछ को प्रचारक बनने, कुछ को मिशनरी बनने, कुछ को मिशनरियों के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रार्थना योद्धा बनने, और कुछ को मिशन को वित्तीय सहायता देने के लिए समर्थक के रूप में बुलाया गया है। इसलिए हर व्यक्ति की यही प्रार्थना होनी चाहिए कि "परमेश्वर कृपया हमें अपनी योजना बताएं और उस योजना को हमें समझकर उसके अनुसार काम करने में हमारी मदद कर"।

II. इच्छा :

एक व्यक्ति के पास परमेश्वर की योजना को पूरा करने की इच्छा होनी चाहिए। इच्छा परमेश्वर की योजना से भिन्न होती है। उदाहरण के लिए, दाऊद की इच्छा थी परमेश्वर के लिए मन्दिर बनाना। यह उसकी इच्छा थी। परन्तु सुलेमान ने मन्दिर का निर्माण किया। हो सकता है हमारे दिमाग में आने वाली सारे विचार परमेश्वर की इच्छा न हो। हमें यह

समझने की जरूरत है कि हमारे मन में उत्पन्न होने वाले विचार उनकी योजना है या हमारी खुद की इच्छा और अभिलाषा है। हम कैसे परमेश्वर की इच्छा को जान सकते हैं? हमारे प्रार्थना के समय में, हमारी आंतरिक भावनाएँ हमें हमारे जीवन के लिए परमेश्वर की योजना को समझने में मदद करेंगी।

निर्देश जैसे "यह दो, यह करो, इसमें भाग लो, छोड़ो यह" कुछ ऐसी चीजें हैं जो परमेश्वर हमारी आंतरिक भावनाओं के माध्यम से हमें बताते हैं। कई बार हम अपनी आंतरिक भावनाओं पर निर्भर नहीं हो सकते, क्योंकि कई बार हम ऐसे लोगों के सामने आते हैं जो गुमराह हो चुके हैं। हमें बाइबल पढ़ने की जरूरत है यह जानने के लिए कि क्या हमारी आंतरिक भावनाएँ सही हैं। परमेश्वर हम से बाइबल के माध्यम से बात करेंगे। दानियेल [तीसरा अध्याय] बंधुवाई के समय को यहजेकल की पुस्तक के द्वारा समझता है। पहले, हम उनकी योजना को अपनी आंतरिक भावनाओं के माध्यम से जानते हैं, दूसरा बाइबल के द्वारा, तीसरा हमें धार्मिक अगुवाई से परामर्श करने की आवश्यकता है, चौथा, पवित्र आत्मा के वरदान और उसके मार्गदर्शन के द्वारा और पांचवा हमारी परिस्थितियों के माध्यम से। परिस्थितियाँ हमारे अनुकूल रहेंगी। कुछ लोगों के लिए, परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं रहेंगी। उदाहरण के लिए, इस्राएली जब यरदन नदी के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उसमें बाढ़ आया हुआ है। लेकिन, जब याजक के पैरों ने पानी को छुआ, तो रास्ता निकल आया। जब हम परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने का उपक्रम करते हैं, तो बहते हुए यरदन नदी जैसी प्रतिकूल परिस्थितियाँ बदल जायँगी। छठा, परमेश्वर जरूरतें पूरी करेंगे। अगर परमेश्वर योजना देते हैं, तो वे न केवल जरूरतों को पूरा करेंगे बल्कि हमारी रक्षा भी करेंगे - जॉर्ज म्युलर।

क. आज्ञाकारिता।

योना एक नबी था जिसने जहाँ परमेश्वर ने जाने को कहा, वहाँ जाने से इंकार कर दिया। लेकिन परमेश्वर ने उसे ऐसे ही नहीं छोड़ दिया। परमेश्वर हम से पूर्ण आज्ञाकारिता की अपेक्षा करते हैं अगर हम हमारे लिए उन की योजना को पूरा करना चाहते हैं। इसी प्रकार, परमेश्वर हमें हमारे जीवन के लिए अपनी योजना के बारे में बताते रहते हैं। लेकिन क्या हम उनकी आज्ञा मान रहे हैं? बाइबल में हम विभिन्न प्रकार की आज्ञाकारिता को देखते हैं। 1. पूर्ण आज्ञाकारिता 2. आधे मन से आज्ञाकारिता 3.

अनाज्ञाकारिता। इसलिए परमेश्वर की आज्ञा पालन करना अनिवार्य है।

ख. अतीत को भूल जाएं। [फिल 3:11]

अतीत के सम्बन्ध में दो कारकों को गिना जाना चाहिए।

1. हमारी उपलब्धियां, 2. हमारी विफलताएं

जब हम अपनी उपलब्धियों के बारे में सोचते हैं, जाने-अनजाने अभिमान हमारे अंदर आ जाता है। असफलताएं जैसे गिरना, दर्द, टूटना, निश्चित ऐसे कारक जिन्हें संप्रेषित नहीं किया जा सकता है हम सभी को अधिक तनाव की ओर धकेलता है। परन्तु पौलुस ने यहाँ अतीत को भूलने पर जोर दिया - पिछला सब भूल जाना - और आगे होने वाली बातों की ओर बढ़ने के लिए कहता है [फिल.3:13-14]।

ग. बलिदान में बढ़ो: कुछ चीजों के बलिदान में बढ़ना चाहिए [फिल:3:13,14]

हमें कुछ चीजों को भूलने की जरूरत है जैसे क्षति। लेकिन इन दिनों मसीही समूह में इस अवधारणा को भुला दिया जाता है। कलीसिया की स्थापना प्रभु के बलिदान के कारण हुआ। कलीसियाएं मसीही कर्मियों के द्वारा स्थिर है। अगर आज हम हमारे कलीसियाओं के विकास को देखें, हम अंततः कह सकते हैं कि यह कई लोगों के बलिदान की वजह से है। जब हम परमेश्वर के बलिदान से तुलना करते हैं, तो यज्ञ कुछ भी नहीं है, सिर्फ कचरा और धूल। आपने बहुत बलिदान दिया है। परमेश्वर निश्चित रूप से आपका सम्मान करेंगे।

घ. भागो, लक्ष्य की ओर। [फिल.3:12]

हमें योजना और विजन की ओर दौड़ने की जरूरत है, बहुत बोझ के साथ जो पवित्र आत्मा के माध्यम से हमारे हाथों में सौंपा गया है। कुछ लोग उसकी ओर भागे। कुछ लक्ष्य से भटक गए। आप कैसे हैं? क्या आप अभी भी दौड़ रहे हैं? या आप अपने निर्णय से भटक गए हैं, अवसाद, असफलताओं आदि की वजह से। यहाँ पॉल कहते हैं: मैं बहुत जोश से दौड़ता हूं। कुछ लोग शुरू-शुरू में परमेश्वर की सेवकाई करने के लिए उत्साही होते हैं। जैसा समय बीत जाता है, वे इसे मजबूरी में करते हैं। अंत में, वे उदासीन बने रहते हैं।

III. परमेश्वर की उच्च योजना विकसित होना

जब हमें परमेश्वर की स्वर्गीय योजना का पता चलता है, तो बहुत से परिवर्तन, विकास, प्रगति और चमत्कार होते हैं जो हमारी समझ से परे होते हैं। परमेश्वर का वचन कहता है, “परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान क्या ही गम्भीर है! उसके विचार कैसे अथाह।” [रोम.11:33] वे हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देते हैं। मूसा ने जलती झाड़ी में परमेश्वर की योजना को समझा। हालांकि उसने शुरू में इनकार किया, फिर स्वयं को आत्मसमर्पित कर दिया और इस्राएलियों का नेतृत्व कर उन्हें बंधुवाई के राष्ट्र से बहार लाने में सक्षम हुआ। बाद में वे कनान की भूमि पर कब्जा करने में सक्षम थे। प्रेरितों के काम 16 में, जब पौलुस एशिया में सेवकाई करना चाहता था, उसे पवित्र आत्मा ने मना किया था। जब पवित्र आत्मा हमारा मार्गदर्शन करता है, तो न केवल हम प्रगति करते हैं बल्कि हमें कुछ क्षेत्रों में जाने की मनाही भी होती है। यह इसलिए हुआ क्योंकि पौलुस के लिए परमेश्वर की योजना केवल यूरोप में सेवकाई करने की थी। इसलिए परमेश्वर ने उसे एशिया जाने के लिए मना किया। (प्रेरितों 16:6,7) परमेश्वर ने उस योजना को खत्म कर दिया जिसको पौलुस ने अपने विचार और कोशिश के द्वारा शुरू किया था। इसका नतीजा यह हुआ कि लिडया और कई अन्य ने यीशु मसीह के बचाने वाले ज्ञान को पाया। जब हम दिव्य योजना को मानते हैं तो हम परमेश्वर के राज्य के लिए बहुत सारे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पतरस के जीवन में भी हम देखते हैं कि परमेश्वर उसमें हस्तक्षेप करते हैं और उसके द्वारा बनाये गए योजनाओं को खत्म करते हैं। एक बार, परमेश्वर खुद रोकते हैं लेकिन दूसरी और तीसरी बार परमेश्वर की आत्मा उसे रोकती है। अगर हम परमेश्वर के स्वर्गीय योजना के अनुसार आगे बढ़ते हैं तो एक आशीष हम पर, हमारी संस्थान पर, और हमारे देश और हमारे लोगों पर उतरेगा जो जीवित परमेश्वर को नहीं जानते। जब हम उनकी इच्छा के अनुसार करते हैं, परमेश्वर आपको और आपके वंश का आदर करेंगे। आप भी इतिहास रच सकते हैं।

(यह सन्देश भाई सुसी प्रभाकर दोस द्वारा तमिल नाडु वार्षिक कांफ्रेंस 2022 के दौरान दिया गया था)



मॉडरेटर मोस्ट रेव. इसिलाश बसुमतारी को हार्दिक बधाई

हम मोस्ट रेव. इसिलाश बसुमतारी, नॉर्थन इवेंजेलिकल लूथरन चर्च के मॉडरेटर को हार्दिक बधाई देते हैं जिन्हें परमेश्वर ने नयी जिम्मेदारी सौंपी है। वे 1999 से 2022 तक एन.ई.एल.सी. बोंगाईगांव डाइसिस के बिशप थे, अब 15 जून 2022 को नॉर्थन इवेंजेलिकल लूथरन चर्च के छोटे मॉडरेटर के रूप में उनका अभिषेक बंदोरजुरी एन.ई.एल.सी. चर्च, दुमका, झारखंड में हुआ।

FMPB 2000 से एन.ई.एल.सी. के साथ साझेदारी में है। हमें विश्वास है कि वे इस साझेदारी सेवकाई को आगे बढ़ाएंगे और पूरी कलीसिया को मिशन में शामिल करने की दिशा में काम करेंगे। हम उनकी पत्नी श्रीमती सयाश्री बसुमतारी और उनके बेटे श्री मुक्तिराज बसुमतारी और श्री सिलराज बसुमतारी को अपनी प्रार्थनाओं में याद करते हैं जो उनकी सेवकाई यात्रा के बहुत बड़े समर्थक हैं। हम कामना करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि एन.ई.एल.सी. उनके नेतृत्व में अधिक से अधिक ऊंचाइयों को छू सके।



26 जून 2022 को नौशेरा क्षेत्र, जम्मू के हमारे मिशनरी भाई लुंजालाल सोंगदैट को रेव बोसी डेनियल द्वारा, पादरी और डीकन के साथ, एम.बी.सी. माखन सेंटर, लोवाडज़िंगो बैपटिस्ट चर्च में समर्पित किया गया। पिछले कई वर्षों से पादरी और चर्च लीडरों के FMPB सेवकाई के साथ विश्वासयोग्य साझेदारी के लिए और चार मिशनरियों का प्रायोजन करने के लिए हम उनके बहुत आभारी हैं।

- रेव पी. थावंग खानकापी
FMPB, मोबिलाइजेशन सचिव-मणिपुर

अडिग विश्वास !

पश्चिम बंगाल के समसी फिल्ड के वारी गाँव के विश्वासी दूसरे मसीही समुदाय और ग्राम प्रधान की तरफ से विरोध का सामना कर रहे हैं। वे बाकी गाँव से अलग थलग पड़ गए हैं। उन्होंने हमारे मिशनरी परिवार को गाँव से बाहर खदेड़ने का विचार किया क्योंकि उन्हें लगा कि इनके कारण बहुत से लोग प्रभु की ओर फिर रहे हैं। उस गाँव के मसीही विरोधियों ने कलीसिया के प्राचीन के सूअर को चुरा कर खा लिया। हर दिन कोई न कोई समस्या खड़ी कर देते हैं। लेकिन कलीसिया के अगुवा और विश्वासियों ने कहा है "कोई भी बात उन्हें यीशु मसीह के पीछे चलने से नहीं रोक सकती है।" विश्वासियों के ऐसे बड़े विश्वास के लिए परमेश्वर की महिमा हो। उन विश्वासियों को हम अपनी प्रार्थनाओं में उठाए रखें।

बहुवा चर्च इतिहास

बहुवा फील्ड, कानपूर क्षेत्र

शुरुवात से लेकर जनवरी 2020

श्रीमती अग्रेस एडवर्ड
द्वारा लिखा गया



बहुवा फतेहपुर जिला, उत्तर प्रदेश में एक नगर पंचायत शहर है। बहुवा नगर पंचायत के अंतर्गत 1,956 घर हैं जिनको वह पानी और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाएं आपूर्ति करती है। इस गांव में अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या नहीं है।

हमारी सेवकाई :

बहुवा मिशन क्षेत्र को 22.7.2004 में केंद्र क्षेत्रीय सचिव, रेव. अजरिया राजकुमार के प्रार्थना के साथ खोला गया था। बहुआ क्षेत्र के अग्रणी मिशनरी श्री एडवर्ड राजादुरई और श्रीमती जिक्की थे। अगस्त 2004 में, दया सागर फिल्म लाडगावा गांव में प्रदर्शित किया गया था और 60 से ज्यादा लोगों ने इस फिल्म को देखा लेकिन शुरू में उस गांव की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। लेकिन मिशनरियों ने प्रचार जारी रखा। जब दया सागर फिल्म का प्रदर्शन खतौली गांव में किया गया, तो उस गांव के श्री प्रभु पाल सुसमाचार को लेकर ग्रहणशील थे। वह प्रभु में विश्वास करता था और वह चर्च में शामिल हो गया।

अग्रणी मिशनरी, श्री एडवर्ड राजादुरई बताते हैं, "आया नाम के एक गाँव में, एक कोढ़ी, पाटन पास की प्रार्थना के माध्यम से चंगा हो गया। साथ ही एक व्यक्ति एलिफेंटियासिस से चंगा हुआ। इन दोनों चमत्कार से के माध्यम से बहुत से लोगों ने मसीह को स्वीकार किया।"

बहुवा चर्च के बुजुर्ग, श्री राम स्वरूप अपनी गवाही बताते हैं :



"मैं सुजानपुर गाँव का राम स्वरूप हूँ। मेरे पहले बच्चे नहीं थे। मैं डेढ़ किलो घी खरीद कर एक बाबा को देखने के लिए जा रहा था। रास्ते में एक रिश्तेदार से मुलाकात हुई, जिसका नाम मुन्नी था। उसने मुझसे पूछा कि मैं कहाँ जा रहा था। मैंने उससे कहा कि मैं एक बाबा से मिलने जा रहा था। उसने मुझे फतेहपुर में चर्च जाने की सलाह दी और उसने मुझे अपने जीवन की एक घटना

के बारे में बताया। तो मैंने फतेहपुर चर्च जाने का फैसला किया। तब बहवा में सत्संग के बारे में मुझे नहीं पता था। मैं फतेहपुर चर्च गया और मैंने वहाँ जंजीरों से बंधे हुए आदमी को देखा। वह दुष्ट आत्मा के कब्जे से बहुत पीड़ित था। अगले हफ्ते मैंने उसे अपनी पत्नी के साथ साइकिल की सवारी करते हुए देखा जो उसके पीछे कैरियर पर बैठी थी। तीसरे सप्ताह मैंने अन्य चमत्कार देखे। इन चमत्कारों के माध्यम से मेरा विश्वास प्रभु में बढ़ गया। मेरी बहन की बेटी ने मुझे बहवा के चर्च के बारे में बताया। इसलिए मैंने चर्च में भाग लिया और 2006 में मैंने मसीह को स्वीकार कर लिया।"



सरकारी अस्पताल के पास एक दोस्त के किराए के कमरे में आराधना शुरू किया गया। वहाँ आराधना 2004 से लेकर 2007 तक जारी रहा।

चर्च का विकास:

आसपास के गांवों के कई लोग बहवा में आराधना में शामिल होने लगे। वे प्रार्थना करवाने के लिए अपने साथ तेल और पानी की बोतलें लाने लगे और प्रार्थना के माध्यम से कई बीमार लोग चंगे हो गए और चमत्कार का अनुभव किया। आराधना कक्ष इतना भरा हुआ रहता था कि सभी को समायोजित नहीं किया जा सकता था। इसलिए 2007 से आराधना एक ठाकुर आदमी के दूसरे किराए के कमरे में स्थानांतरित किया गया। वहाँ आराधना, बहवा चर्च के निर्माण तक जारी रहा। कुछ विश्वासियों के गवाही नीचे दिए गए हैं:

श्री राम अपनी गवाही बताते हैं :

"मैं सरकंडी गाँव का राम कृष्ण हूँ। सन् 2000 में मैंने एक निबंध "प्रेम संदेश" को

पढ़ा, जो मेरे भाई के पास था। लेकिन मैंने मसीह को स्वीकार नहीं किया। 2009 में मेरी पत्नी के पेट में दर्द हो रहा था। उसे दिए गए उपचार मददगार नहीं थे। मेरी भाभी ने मुझे बहवा चर्च के बारे में बताया। तो मैं चर्च गया। घर में हमारी गाय का दूध निकालने के तुरंत बाद हमेशा खराब होता था। मेरे चर्च जाने के बाद यह समस्या बंद हो गई। इसलिए मुझे एहसास हुआ कि यीशु के नाम में शक्ति है। घर पहुँचते ही, मेरी पत्नी के पेट में दर्द पूरी तरह ठीक हो गया। साथ ही, उसने दर्शन देखा कि 3 संत उसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। एक महीना बीत गया। 30.9.2009 को मैंने मसीह में अपना विश्वास स्वीकार किया। फिर, मुझे बहुत सारी परीक्षाओं का सामना करना पड़ा। एक काला मनका एक बार मेरी आँखों में चला गया लेकिन परमेश्वर ने मुझे दया से चंगा किया। हमारी बेटी का अंगुठा मशीन में कट गया और आगे 11.02.2010 को हमारा घर जल गया। परमेश्वर ने हमारी रक्षा की और उनकी अदभुत सहायता से मैं कुछ सालों में घर को फिर से बना सका।"

श्री राम ने कुछ वर्ष FMPB में स्थानीय प्रचारक के रूप में काम किया।

कोरा कनक गांव से श्री राम स्वरूप अपनी गवाही सुनाते हैं :



"मैं उसे कई अस्पतालों में ले गया और डॉक्टरों द्वारा दिया गए कई दवाइयों को लिया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, वह कमजोर होती गई। हमारे बेटे को कुछ बीमारियाँ होने लगी और मुझे उन दोनों के इलाज के लिए बहुत पैसा खर्च करना पड़ा। मैं उन्हें 50 से अधिक जादू-टोना करने वालों के पास ले गया, पर सब बेकार

था। एक दिन मैं हमारे गांव की एक बूढ़ी औरत से मिला जो मेरी माँ की सहेली थी। उसने मुझसे मेरी पत्नी के स्वास्थ्य के बारे में पूछा। उसने सुझाव दिया कि मुझे उसे बहुवा के चर्च में ले जाना चाहिए। उसने गवाही दी कि उसे अपनी बीमारी से बहुवा चर्च जाने के बाद मुक्ति मिल गई। उसने मुझे लगातार 3 सप्ताह सत्संग में भाग लेने की सलाह दी। मैं अपनी पत्नी को बहुवा चर्च ले गया जहां उसने प्रभु में तहे दिल से विश्वास करना शुरू किया लेकिन मुझे ईसाई धर्म में कोई दिलचस्पी नहीं थी। चर्च के बड़े वासु देव ने मुझसे कहा कि मैं बाइबल को समझने हेतु जान और विश्वास में बढ़ने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करूँ। मैं ने इसी तरह प्रार्थना की और जब मैंने बाइबल पढ़ी, मैं वचनों को समझने में सक्षम था। इससे प्रभु में मेरा विश्वास बढ़ा। परमेश्वर को नियमित रूप से खोजने के कारण, परमेश्वर ने मेरी पत्नी को पूर्ण रूप से छुटकारा को दिया। 28.8.2016 को मैं अपने परिवार के साथ चर्च में शामिल हुआ। आज हम नियमित रूप से बाइबल पढ़ते हैं और प्रार्थना करते हैं। परमेश्वर की स्तुति हो।"

मण्डली और समुदाय

श्री सोनू से बहुवा चर्च की जमीन खरीदी गई। भूमि का आकार 100X50 फीट है। बहुवा मंडली के सदस्य निम्नलिखित गांवों से आते हैं: खतोली, लाडगावा, सुजानपुर, आया, चकास्करन, कोरा कनक, वाहिदपुर, गौरी, सिधव, बड़ागांव, बरबत, भगवानपुर, सखा, गाजीपुर, रतनतारा, मुत्तौर, करसोवा, जमोह, धरमपुर, मीरापुर, काजीपुर, रजवा काडेरा और गनीपुर। सभी उनमें से चमार, केवट, साहू, प्रजापति और पासवान समुदाय के हैं।

चर्च निर्माण

- चर्च का नाम: मसीह सत्संग भवन, बहुवा, फाउंडेशन: जून 2008
- चर्च का आकार: 40X25 फीट, छत: आर.सी.सी.
- प्रायोजक: श्री नवनीथर और परिवार
- समर्पण विवरण - 3.10.2010 को, बहुवा चर्च रेव. इमैनुएल रंजीत सिंह द्वारा समर्पित किया गया। रेव. इमैनुएल रंजीत सिंह के नेतृत्व में तिरुनेलवेली से 10 सदस्य की टीम, ब्रॉडवेल क्रिश्चियन अस्पताल के लोग, फतेहपुर कानपुर क्षेत्रीय सचिव - रेव. एन. राजदुरई और उनका परिवार समर्पण आराधना में उपस्थित थे। श्री सुरेश माल्टो और परिवार उस समय बहुवा फील्ड के मिशनरी थे।

चर्च गतिविधियाँ और सूचना

बहुवा मंडली में जिन मिशनरियों के परिवार ने सेवा दी, वे हैं - एडवर्ड राजादुरई, रामासामी जेरोम, सुरेश माल्टो, पचिया भाई वसावा, अनिल कुमार और खाई मिन थांग। हर हफ्ते रविवार सेवा में औसतन 30 से 40 लोग शामिल होते हैं। स्थानीय प्रचारक रविवार की सेवा का नेतृत्व करते हैं। बहुवा चर्च में कुल 391 सदस्य हैं। वाहिदपुर, सिधव, बड़ागांव और जामोह के लोग पिछड़ गए हैं।

हम आपसे अनुरोध करते हैं कि विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास में दृढ़ रहें। आप बहुवा चर्च के लिए प्रार्थना करें कि वह कई गुना अधिक बढ़े। जैसा कि आप जानते हैं कि यूपी में नए विश्वासियों को बदलते सांस्कृतिक, राजनीतिक और धार्मिक वातावरण के कारण प्रभु यीशु मसीह के पीछे चलने के लिए बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

पथ प्रदर्शक



सैमुअल मैकफर्लेन

प्रकाश का आगमन

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष छोर में रहने वाले लोगों के लिए, पहली जुलाई कैलेंडर में "प्रकाश के आगमन" एक मुख्य कार्यक्रम है। यह एक छुट्टी है जो हर साल टोरेस स्ट्रेट आइलैंड्स समुदायों के लोग, ईसाई धर्म के आने का जश्न मनाते हैं। 2021 "प्रकाश का आगमन (Coming of the Light)" की 150वीं वर्षगांठ को चिह्नित किया गया था। लंदन मिशनरी समाज डारले द्वीप के तट पर उतरा और उन लोगों के बीच में बाइबल का परिचय कराया जो वहां रहते थे। यह आयोजन टोरेस जलसंधि आइलैंड्स की सांस्कृतिक पहचान का एक अभिन्न अंग बन गया। यह क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश के रूप में चिह्नित किया जाता है और इसकी वर्षगांठ के आसपास बहुत खुशी है। लेकिन उन मिशनरियों की पार्टी जो द्वीप पर उतरी थी, उनके लिए ऐसी कोई तात्कालिक खुशी नहीं थी। 1

जुलाई 1871 को, शाम से ठीक पहले, रेवरेंड सैमुअल मैकफर्लेन और आर्चीबाल्ड लंदन मिशनरी सोसाइटी के मुर्रे, आठ न्यू कैलेडोनियन मिशन शिक्षक के साथ सुदूर पूर्वी टोरेस जलसंधि में, एरूब, या डर्नले द्वीप के तट पर पहुंचे। उन्होंने केमस बीच में अपने जहाज को लंगर डाला और अपनी नाव को उतारा, यह बिना सोचे की आश्चर्य उनका इंतजार कर रहा था।

पास की एक पहाड़ी से, डबड नामक एक योद्धा ने इस समूह को प्रवेश करते देखा, और फिर, अपने आदमियों को अपने पीछे चलने के लिए बुलाकर, पानी के किनारे पर उतर गया। मैकफर्लेन किनारे का रास्ता दिखाया। वह ज्वालामुखीय पत्थरी कुंड के ऊपर से चला और डरावने एरुबियंस के सामने समुद्र तट पर अपने घुटने टेके टेके। दबद उन सबका वध करने को तैयार हो गया। मैकफर्लेन ने दोनों हाथों में अपनी बाइबिल पकड़ ली और उसे डबड की ओर धकेल दिया। लेखन में उस घटना के बारे में, उन्होंने कहा, "पुरुषों ने कभी भी उससे अधिक महसूस नहीं किया, जितना हमने किया था, उनका "ईश्वरीय सहायता पर निरपेक्ष निर्भरता।" फिर हुआ कुछ खास हुआ। डबड रुक गए, अपने भाले के साथ। योद्धा ने उस पुस्तक को स्वीकार कर लिया जिसे वह पढ़ नहीं सका, और उसका वादा किया हुआ प्रकाश, और, हालांकि वह उस समय शायद ही इसे जानता हो, द्वीपों के लिए एक नया युग टोरेस जलसंधि के मध्य आ गया है।

मिशनरियों के आने से पहले, एरूब के लोग, पापुआ न्यू गिनी के साथ, लंबी डोंगी के बदले सिर-शिकार का अभ्यास और खोपड़ियों का व्यापार किया करते थे। कारण है कि प्रकाश के आगमन एक ऐसा खुशी का त्योहार था, क्योंकि यह शांति का उत्सव था।

मिशनरियों ने प्रचार किया कि हत्या करना पाप है, और द्वीप के लोगों ने अपने हथियार का त्याग कर दिया। जलसंधि के उस पार, लोग ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए, मुख्यतः प्रशांत द्वीप वासी शिक्षकों का मार्गदर्शन के तहत प्रतिनियुक्त पर द्वीप में चर्च मिशन स्थापित करने के लिए। बाइबिल का स्थानीय भाषाओं में अनुवाद किया गया। द्वीपवासियों ने पारंपरिक कौशल और स्थानीय सामग्री चर्चों को खड़ा किया।

मिशनरियों ने भी एक बहुत ही व्यावहारिक लाभ लाया। टोरेस जलसंधि आइलैंडर्स समुद्री उद्योग में शोषित किया गया था और मिशनरियों ने कुछ सुरक्षा प्रदान की और व्यापारियों के साथ वार्ता में द्वीपवासियों की सहायता की। झाड़ीदार द्वीप वनस्पतियों ने एरूब के लोगों को अपनी डोंगी बनाने से रोका, लेकिन जलयान उनके समुद्री यात्रा के तरीके के लिए महत्वपूर्ण थे। मिशनरियों ने नई डोंगी बनाने में उनकी मदद की। टोरेस जलसंधि में मिशनरियों और ईसाई धर्म की स्वीकृति से महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए जिसने उस समय से जीवन के हर पहलू को प्रभावित किया।

इसलिए हर साल “प्रकाश का आगमन” (Coming of the Light) के नाम से जानी जाने वाली इस महत्वपूर्ण घटना को चर्च में आराधना सेवा और एरूब के केमुस बीच में लैंडिंग की घटना के नाटकीय रूपांतर के द्वारा मनाया जाता है। मरियम मीर भाषा (जो पूर्वी द्वीपों की पुरानी भाषा है) में बाइबल पाठ, शिक्षा और गीत इस पर्व की निशानी हैं। हर साल की आराधना बहुत प्रभावशाली होती है। हम धर्मोपदेश के दौरान लोगों को खुलेआम रोते हुए देख सकते हैं जब पादरी परमेश्वर के प्रेम के प्रति कृतज्ञता और द्वीप के उद्धार की बातों को करते हैं। उनकी कृतज्ञता में कुछ भी अवास्तविक नहीं है। यह सच में बहुत पहले की बात नहीं है, केवल पाँच या छह पीढ़ियाँ पहले ही वो समय था जब इस द्वीप में सबके पूर्वज सिर शिकार किया करते थे।

कई टोरेस जल संधि द्वीप के लोग जो ऑस्ट्रेलिया की मुख्य भूमि में रहते हैं, इस सालगिरह को मानाने के लिए घर वापस आते हैं। नाटकीय रूपांतर और समारोहों के वजह से द्वीप में प्रत्येक लोग इस कहानी को जानते हुए बड़े होते हैं। देब बेलीया ने, जो टीआई के तगाई स्टेट कॉलेज में टोरेस जल संधि के इतिहास को पढ़ाती है, कहा “हम पहले लड़ रहे थे, और फिर हमने तीर-धनुष को तोड़ दिया। अब सभी सुरक्षित थे। कोई और छापेमारी नहीं। दुश्मनों का आप पर (खाने, आदि के द्वारा) बुरा जादू करने का कोई डर नहीं। अब समुदाय के रूप में एक साथ खाना खाना सुरक्षित है।”

‘अंधेरे से प्रकाश’ में यह परिवर्तन, सुसमाचार की शक्ति का प्रमाण है। हमारे प्रभु यीशु मसीह हमें नए तरीके से मिशन के मूल्य और बलिदान की सराहना करने में मदद करते रहे। आखिरकार, मौत के नाम पर और क्रूस पर अपने ही बेटे की पराजय के नाम पर, परमेश्वर ने वास्तव में सभी की सबसे बड़ी जीत हासिल की। अपनी जीत के कारण, उन्होंने क्षमा और उद्धार जो दुनिया भर के सभी लोगों को दिया जाता है, जो अपने जीवन में उस पर भरोसा करते हैं। ऐसे जीवन, ऐसे समुदाय, ऐसे लोग-समूह, कभी भी पहले जैसे नहीं होंगे क्योंकि उनके बीच “जीवन की ज्योति” का उदय हुआ है।

- भाई डेविड बेन्नी



Happy Birthday

श्रीमती मधुरा शांति राम्या राजू
श्री मंजया नायक जी., श्री राजा बी.
श्रीमती फ्लोरेस दाउजापाओ
श्रीमती जेबारानी एबेनेजर सैम
श्री कृपा रक्षणा बॉरें

जम्मु

सांबा :

डेविड अय्यनार एवं मनप्रीत कौर

स्तुति करें : 2 गावों में सुसमाचार सुनाया गया और 2 विश्वासी प्रभु के झुंड में शामिल किए गए। 2 सम्पूर्ण बाईबल और 20 नए नियम का वितरण किया गया। प्रवीण भाई ने प्रार्थना के द्वारा हार्निया बीमारी से चंगाई प्राप्त किया। विश्वासी प्रचार सेवा में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं।

प्रार्थना करें : कतली गाँव के उन विश्वासियों के लिए जो विश्वास से पीछे हट गए हैं, कि वे वापस विश्वास में लाये जा सकें। सांबा क्षेत्र में आराधनालय निर्माण हेतु जमीन के लिए। गाँव के उन अगुवों के मन फिराव के लिए जो विश्वासियों को यीशु पर विश्वास को त्यागने के लिए धमकी देते हैं। ज्योति

के परिवार वालों के लिए जो यीशु पर उसके विश्वास के कारण उसका विरोध कर रहे हैं। सुंगवाली के तरसेम के लिए प्रार्थना करें कि वे लीवर के संक्रमण की बीमारी से चंगा हो सकें। नेहा के लिए कि उसे संतान प्राप्ति हो सके। दियानी गाँव के कमलेश देवी के परिवार के लिए कि वे प्रभु पर अपने विश्वास में दृढ़ हों, क्योंकि उन्हें गाँव के कुछ लोगों द्वारा गुमराह किया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश

रेकोंग पेओ :

पपलू परसेठ एवं कल्पना मल्लिक

स्तुति करें : 14 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 2 लोगों ने प्रभु पर अपने विश्वास कि घोषणा की। 51 नया नियम और 50 सम्पूर्ण बाईबल का वितरण किया गया। हमारे मिशनरी की प्रार्थना से मनकुमारी उच्च रक्तचाप की बीमारी से चंगी हो गयी और दुष्टात्मा भी उसे छोड़ कर चला गया। 7 प्रचार कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे किए गए। आत्माओं को जीतनेवालों का प्रशिक्षण, कलीसिया के प्रचीनों का प्रशिक्षण एवं लघु समूह प्रशिक्षण आयोजित किए गए। परमेश्वर ने विश्वासियों एवं मिशनरी बच्चों के प्राणों की रक्षा किया जब यात्रा के दौरान पहाड़ी पर से एक बड़ी चट्टान



श्री ध्वंगखान काप पी.
श्रीमती कुमारे भारती भगडदी प्रताप

लुढ़क कर उनकी ओर आई। दुष्ट की शक्तियों से लोगों के छुटकारे के लिए उपवास प्रार्थना आयोजित किए गए।

प्रार्थना करें : आगामी युवा, महिला एवं नेतृत्व प्रशिक्षण पर आशीष के लिए। रिबा, मुरांग, इंदर और मुन्ना के लिए प्रार्थना करें जो हमारी सेवकाई का विरोध करते हैं, कि उनका साक्षात्कार परमेश्वर से हो। कि परमेश्वर मनकुमारी, बंटु, और राजकुमार को किडनी कि बीमारी से चंगा करे।

पंजाब

फाजिल्का :

जेरुएल पाणी एवं ज्योत्सना रानी

स्तुति करें : तीन नए गांवों में सुसमाचार प्रचार किया गया 2 स्थानों में वृहत् प्रचार सेवा किए गए। परमेश्वर ने सुभाष को पैर के संक्रमण से और जुगेंद्र के भाई को दुष्टात्मा से छुटकारा दिया।

प्रार्थना करें : विश्वास से पीछे हट गए

संदीप सिंह और प्रेम सिंह के लिए कि वे फिर से विश्वास में स्थिर किए जा सकें। कि परमेश्वर बिस्तर में पड़ी वीरो रानी को और जोड़ों के दर्द से पीड़ित मंगत राम को चंगाई दें। कि परमेश्वर संदीप सिंह को दुष्टात्मा से छुटकारा दें।

बुधलाडा :

नाबा हामोम एवं दुलांती रेयांग

स्तुति करें : एक नए गाँव में सुसमाचार प्रचार किया गया और तीन विश्वासियों ने प्रभु यीशु पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। 5 नया नियम बांटा गया। जसवंत कौर उच्च रक्तचाप के कारण हुए लकवा से चंगी हुई। हरभगवान सिंह की दुर्घटना से रक्षा हुई।

प्रार्थना करें : फफरा गाँव मेन जीजस फिल्म दिखाने में रुकावट को दूर करने और गाँव के लोगों के शारीरिक, मानसिक और आत्मिक छुटकारा के लिए। सीमा कौर एवं मुस्कान को संतान प्राप्ति होने के लिए। गुरदीप सिंह और सिमर कौर के दुष्टात्मा से छुटकारे के लिए। दरियापुर की बिंदर कौर के आंत की बीमारी से चंगाई के लिए। उन विश्वासियों के लिए जो मसीही विश्वासी जीवन साथी एवं अच्छी नौकरी के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं जिससे उन्हें आशीष मिले और वे देर के कारण विश्वास को न छोड़ दें।



बरनाला :

बिधान हांसदा एवं पनसुरी मोहलीन

स्तुति करें : आठ लोगों ने यीशु मसीह पर अपने विश्वास का अंगीकार किया है। तरसेम जो बैठने या चलने में असमर्थ था, प्रार्थना के उत्तर में चलने में सक्षम हो गया है। बरनाला में 50 बच्चे अवकाश कालीन बाईबल पाठशाला में शामिल हुए। जसवीर कौर जो अपने पति की मौत के बाद सो नहीं पाती थी, अब प्रार्थना के प्रभाव से सो पाती हैं।

प्रार्थना करें : धनौला के विश्वासियों के लिए कि वे प्रभु में अपने विश्वास में मजबूत हों। अपने पुत्र की मृत्यु से शोकित अमृतपाल सिंह और उनके परिवार को परमेश्वर शांति प्रदान करें। गगनदीप कौर जो गर्भवती हैं, बवासीर से चंगी हों और उनके बच्चे का सुरक्षित जन्म हो सके।

मनसा :

देवव्रत विश्वास एवं मन्ना सिंह

स्तुति करें : 4 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया एवं 6 लोग प्रभु के झुंड में शामिल हुए। 5 बाईबल बांटे गए। 2 गाँवों में फिल्म सेवकाई की गयी। सभी कार्यक्षेत्रों में अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला का आयोजन किया गया और 120 बच्चों ने सुसमाचार सुना जिनमें से 45 बच्चे नए गाँव से थे। एक नया बाईबल स्टडी ग्रुप बनाया जा सका। 7 दिनों से प्रचंड बुखार से पीड़ित कमजोर और थकी महसूस कर रही गुरुचरण को परमेश्वर ने चंगा कर दिया।

प्रार्थना करें : खई गाँव में जारी आराधनालय निर्माण कार्य के लिए कि इस निर्माण कार्य में विश्वासीगण सहर्ष शारीरिक और आर्थिक योगदान करें। 9 सदस्यीय प्रचार टीम के लिए कि वे परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए प्रभावी रूप से कार्य कर सकें। नए विश्वासियों के घरों में शांति बने रहने के लिए प्रार्थना करें। नव खोजकों के साहसी होने के लिए कि वे प्रभु पर अपने विश्वास का अंगीकार कर सकें।



Happy Birthday

श्रीमती मंगयाकरासी बेजामिन
श्रीमती सुबिला ज्ञानाप्पु डेनिएल

हरियाणा

बरवाला :

मिंटू कुटुम एवं शुभ्रा बाग

स्तुति करें : 3 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 10 लोगों ने प्रभु पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। 3 बाईबल और 15 नया नियम बांटे गए। परमेश्वर ने साहु गाँव कि तृषा को गले की समस्या से छुटकारा दिया जिसके कारण वह कुछ भी खाने पीने में असमर्थ थी। कुम्हार समाज के नए परिवारों ने प्रभु को ग्रहण किया है और कलीसिया की सभाओं में नियमित उपस्थित होते हैं।

प्रार्थना करें : सानियाना गाँव में आराधनालय निर्माण हेतु जमीन खरीदी के लिए। युवा संपर्कों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु में बढ़ें, रविवारीय आराधना में नियमित हों और शराब और नशीली दवाओं एलएस मुक्ति मिले। खरकरा के कमल कि हृदय कि बीमारी का बाईपास सर्जरी के खर्च का प्रबंध हो

सके। उखलुआना की ममता, गैबीपुर के वाजिन्दर, मढ़ा के संदीप और बरवाला के पवन के लिए प्रार्थना करें कि उन सबों को मसीही विश्वासी जीवनसाथी मिले।

तोशम :

जॉन डेविडसन एवं एस्थेर

स्तुति करें : 50 नया नियम और 1 सम्पूर्ण बाईबल का वितरण हो सका। 7 गाँवों के बच्चों ने अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला में भाग लिया, परमेश्वर का वचन बच्चों के हृदय में बोया जा सका।

प्रार्थना करें : जिंद के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि रविवारीय आराधना में उनकी उपस्थिति नियमित हो सके। उनके लिए जो सुसमाचार सुनते हैं कि वे सम्पूर्ण मन से प्रभु को ग्रहण करें। बलवास के चिंदो, जगदीश और फूलो दुष्टात्मा के चंगुल से छुट सकें। इस क्षेत्र में आत्मिक रास्ता खुलने के लिए। वासु के ऑनलाइन गेम की लत से छुटकारे के लिए प्रार्थना करें, गेम के कारण उसे बहुत पैसों की हानि उठानी पड़ी है।

उत्तराखंड

बाजपुर :

क्रिश्चियन प्रकाश एवं सुमित्राबेन

स्तुति करें : 12 लोगों ने प्रभु पर अपने विश्वास का अंगीकार किया और 2



Happy Birthday

श्रीमती ज्योत्सना देवी प्रशांत
श्रीमती मेश्राम कल्पना वाल्मी नेताजी

गाँवों के अनेक लोग सुसमाचार के प्रति सुग्राही हैं। 3 जगहों पर रात्रि सभाएँ की गईं और 2 स्थानों में जीजस फिल्म दिखाई गयी। परमेश्वर ने पूजा को लीवर की खराबी और सिर के सूजन से चंगा किया। बलविंदर को परमेश्वर ने शराब की लत से छुड़ाया।

प्रार्थना करें : आगामी सभी प्रचार अभियान, रात्रि सभाएँ, महिला एवं बाल सभाएँ बिना बाधा के पूरी हों। हमारी सेवकाई का विरोध करनेवाला व्यक्ति परमेश्वर के दिव्य प्रेम से स्पर्श किया जाए। परमेश्वर गीता को किडनी की पथरी से छुटकारा दे, लखन सिंह लकवा और काव्या तपेदिक से छुटकारा पाएँ। परमेश्वर रामवती को दुष्टात्माओं से छुटकारा दे। प्रार्थना करें कि सलोमी को संतान की आशीष मिले।

मलधनचौर :

शिशुपाल एवं अनिता

स्तुति करें : 6 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया और 12 लोग प्रभु के झुंड में शामिल किए गए। 94 नया नियम और 3 सम्पूर्ण बाईबल बाँटे गए। 6 गाँवों में रात्रि सभाएँ की गईं। सोना सिंह और आयुष को थायरॉइड से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। बाबूराम और बलदेव शराब की लत से छुटकारा पाए।

प्रार्थना करें : हमारी सेवकाई का विस्तार पीरूमाडारा और पटरामपुर में हो सके। महिलाओं और आत्मा जितनेवालों के आगामी प्रशिक्षण के लिए। परमेश्वर शिवनाथपुर और नारायणपुर गाँवों में नए संपर्कसूत्र प्रदान करें। आकाश, अनुज, संगीता, ऋषिपाल, प्रिया, काजल एवं तारावती के उद्धार के लिए। शिंकु को परमेश्वर मानसिक बीमारी से पूर्ण चंगाई दे।

दिल्ली

पटपड़गंज :

पी. जी. क्रिस्टोफर एवं माबेल

स्तुति करें : घरोली गाँव में सुसमाचार प्रचार किया गया और 3 विश्वासी प्रभु के झुंड में शामिल किए गए। 34 नया नियम और 4 सम्पूर्ण बाईबल वितरित किए गए। 12 रात्रि सभाएँ, 4 बाईबल स्टडी, 8 उपवास प्रार्थना एवं 4 स्थानों



Happy Birthday

श्रीमती सुधारानी भाई रवि

में महिला सभाएँ की गई। 3 गाँवों में अवकाशकालीन बाईबल पाठशालाएँ संचालित की गई और इसके द्वारा 110 बच्चे सुसमाचार सुन पाए। कोविड के कारण 2 वर्षों के अंतराल के बाद समर्थकों की सहायता से वंचित बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाने और उनकी कुशलता को बढ़ाने के लिए ट्यूशन पुनः आरंभ किए गए।

प्रार्थना करें : विक्की के लिए जो त्रिलोकपुरी कलीसिया की सहायता के लिए स्वयंसेवक के रूप में जूरे हैं। उन 60 लोगों के लिए जिन्होंने प्रभु को ग्रहण कर अपने विश्वास का खुला इज़हार किया है। दिल्ली के उपनगरीय क्षेत्रों में सेवा के निमित्त और अधिक सुसमाचार प्रचारकों के लिए प्रार्थना करें। कल्याणपुरी और साजवां नगर में आराधना संचालित करने के लिए परमेश्वर किराए के हॉल उपलब्ध कराएँ। लकवाग्रस्त महेन्द्र, देवेंदर और धवामनी, थायरोड से पीड़ित मलिका, और तपेदिक से पीड़ित रवि एवं एलिज़ाबेथ पर परमेश्वर चंगाई का हाथ रखें। परमेश्वर अपने प्रेम से

गुड्डी, रानी, अनिल, रीना, रॉकी, और श्याम के बिखरते परिवारों को फिर से एक करें।

राजस्थान

खैरताल :

सेल्वारज एवं सेल्वाम्मल

स्तुति करें : तितड़ा गाँव में अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला का संचालन शांतिपूर्ण रीति से हुआ। 13 गाँवों में रात्रि सभाएँ की गई। 9 गाँवों में बच्चों की सभा की गई। महिला एवं वयस्कों का प्रशिक्षण कार्यक्रम हुए बहुतों ने आशीष पाई।

प्रार्थना करें : तितड़ा एवं मिरकाबस्सी के युवाओं और वयस्कों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने गाँव में आत्माओं को जीतने के कार्यक्रम से जुड़ जाएँ। आराधना में शामिल हो रहे तिरनोली के 2 नए परिवारों के लिए कि वे प्रभु को ग्रहण कर सकें। 3 विश्वासी परिवारों के लिए कि वे रात्रि सभाओं में नियमित रूप से भाग लें।

खाजूवाला :

वी. कुमार एवं पैट्रिसिया तमिल सेल्वी

स्तुति करें : परमेश्वर के अनुग्रह से 3 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया और 5 लोग प्रभु के झुंड में शामिल हुए। 5 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य हुआ। 5 लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर परमेश्वर



श्री मोसेस मुरलीधरन एस.
श्री नरेन्द्र बहादूर

के प्रेम के बारे बताया गया। थवनिया कालोनी में संचालित अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला में बहुत से अविश्वासी बच्चे शामिल हुए।

प्रार्थना करें : आगामी कार्यक्रमों यथा वीबीएस, रात्रि सभाओं, व्यक्तिगत प्रचार, बाईबल स्टडी, अनुवर्ती सेवाकार्य, सुसमाचार प्रचार कार्यक्रम, बच्चों के क्लास और रविवारीय आराधना पर आशीष के लिए। लवप्रीत को अच्छी नौकरी मिल सके तथा उनकी मंगेतर जो सुसमाचार के प्रति रुचि दिखाई है, प्रभु को ग्रहण कर सके। हमारे मिशनरी के घर मालिक और उसके परिवार के लिए कि वे प्रभु को ग्रहण कर सकें।

अनुपगढ़ :

पौलुस बरजो एवं विनीता टोप्पो

स्तुति करें : 2 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया और 2 नए विश्वासी प्रभु कि मंडली में शामिल हुए। 28 नया नियम और 4 सम्पूर्ण

बाईबल बांटे गए। व्यवस्थित ढंग से 13 बाईबल स्टडी संचालित किए गए। 4 रात्रि सभाएँ बिना किसी बाधा के संचालित किए गए। हमारे विश्वासियों के बच्चे जो 10वीं और 12वीं कि बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए वे अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए।

प्रार्थना करें : परमेश्वर इस कार्यक्षेत्र से अनेक आत्माओं को दे। जूफा बाई को हाथ और छाती में लिंफोमा से, लाला सिंह को मानसिक समस्या से तथा विरपाल कौर एवं विंदर कौर को पित्ताशय की पथरी की बीमारियों से चंगाई मिले। हमारे विश्वासियों के बच्चों को सही जीवन साथी मिलें।

अजीतगढ़ :

जयवीर सिंह एवं देवी रानी

स्तुति करें : पचास लोगों ने उत्साह पूर्वक नया नियम स्वीकार किया। अनुवर्ती सेवाकार्य, रात्रि सभाएँ, बाईबल स्टडी

मृत्यु से नया जीवन !

महाराष्ट्र में चोपड़ा फिल्ड के महादेव गाँव की सर्विता बाई पिछले कुछ महीनों से दौरे पड़ने पीड़ित थी। पिछले महीने उसे फिर से दौरा पड़ा और वह मर गई। गाँव के लोग दफन करने के लिए इकट्ठे हुए। कुछ विश्वासी भी दफन में शामिल होने के लिए गए। हमारे विश्वासियों ने उसके लिए प्रार्थना किया। परमेश्वर ने प्रार्थना सुनकर सुनीता को नया जीवन दान किया।



Happy Birthday

श्री एण्ड्रयूस जवाहर
श्रीमती हेमिबा एण्ड्रयूस
श्रीमती महला शैलाबेन पडवी सोमालिया

समूह, सफलतापूर्वक संचालित किए गए। 7 वर्षीय बालक जय जो वृक्कीय विफलता एलएस पीड़ित था, की सर्जरी उसके पिता कान्हा की प्रार्थना के बाद सफलतापूर्वक हो सकी। लाली देवी ने तेल मलकर प्रार्थना किया तो परमेश्वर ने उसे गर्दन एवं सिर की गिल्टियों से चंगा कर दिया। बुखार के कारण अंकित के खून में प्लेटलेट की कमी हो गयी थी, जब उसकी माँ ने उपवास के साथ प्रार्थना किया तो प्लेटलेट बढ़ गया और वह चंगा हो गया।

प्रार्थना करें : अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला में भाग लिए बच्चों के लिए कि वे प्रभु यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण कर सकें और उनके द्वारा उनके परिवार के लोग परमेश्वर को जान सकें। परमेश्वर फूली देवी को दुष्टात्मा के चंगुल से छुटकारा दें। कंचन के पुलिस विभाग में चुने जाने के लिए प्रार्थना करें। मंजु देवी के स्त्रीरोग से चंगाई के लिए।

उत्तर प्रदेश

गोंडा :

ओमप्रकाश गुप्ता एवं टुंपा चौधरी

स्तुति करें : सभी बच्चे जो बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए थे उत्तीर्ण हो गए। गोंडा हॉस्टल में चपाकल खुदाई का काम सफलतापूर्वक हो सका।

प्रार्थना करें : छुट्टियों से लौटे सभी बच्चे यथाशीघ्र व्यवस्थित हो जाएँ और अच्छी तरह पढ़ाई में लग जाएँ। परमेश्वर हमें लखनऊ उच्च न्यायालय में चल रहे गोंडा जमीन विवाद में जीत प्रदान करें। नट और कची समुदाय के लोगों को परमेश्वर के लिए जीता जा सके।

भरथाना :

सुरेश माल्टो एवं प्रेमलता

स्तुति करें : 8 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया और 10 लोग प्रभु के झुंड में शामिल हुए। 105 नया नियम और 5 सम्पूर्ण बाईबल वितरित किए गए। 22 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किया गया, 4 स्थानों में सामूहिक प्रचार किया गया, 2 सत्संग कार्यक्रम हुए, 29 जगहों पर अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला संचालित किए गए जिससे करीब 448 बच्चों ने आशीष पाई। लघु समूह बाईबल स्टडी और प्रार्थनाएँ नियमित संचालित होते हैं। तीन स्थानों पर नलकूप खुदाई का कार्य अच्छी तरह सम्पन्न हुए। आटो खाई



Happy Birthday

श्रीमती जोस्पिन शीबा जीवानन्दन

में गिर जाने के समय परमेश्वर ने विजय कुमार और एक विश्वासी की रक्षा की।

प्रार्थना करें : अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला में भाग लिए बच्चों के लिए की वे परमेश्वर को व्यक्तिगत रीति से जानें और उनके हृदयों में बोए गए वचन के बीज फल लाएँ। हमारे स्थानीय प्रचारक की धर्मपत्नी आरती की फंगल इन्फेक्शन से, स्थानीय प्रचारक जयकरन की धर्मपत्नी को सिर की चोट से, तेज सिंह की कैंसर से, और रीना की तपेदिक से चंगाई के लिए प्रार्थना करें। जगराम परिवार को परमेश्वर संतान की आशीष दें।

झिंझक :

समरेन्द्र सिंह एवं सुष्मिता

स्तुति करें : परमेश्वर के अनुग्रह से 12 गांवों में सुसमाचार सुनाया गया और 4 विश्वासी प्रभु के झुंड में शामिल किए गए। 450 नया नियम और 2 सम्पूर्ण बाईबल वितरित किए गए। 22 गांवों में आयोजित अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला में अनेक अविश्वासी लोग शामिल हुए। अशराम के दामाद को परमेश्वर ने भयंकर दुर्घटना से बचाया।

मित्र समाचार 28 अगस्त 2022

भाभनपुर और भडावल चर्च परिसर में दो नलकूप खोदे गए हैं। 3 स्थानों पर सत्संग कार्यक्रम संचालित किए गए। कारियावाला गाँव के 3 नए परिवार भोलानागर कलीसिया में आराधना में शामिल होते हैं।

प्रार्थना करें : जोगी और बंजारा समाज के लोग बड़ी संख्या में प्रभु पर विश्वास लाएँ। परमेश्वर बहन कांति को, जिनके पति की हाल ही में मृत्यु हो गयी, सात्वना प्रदान करें। अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला के माध्यम से 800 बच्चों तक सुसमाचार पहुंचाने की योजना को अच्छी तरह लागू किया जा सके। इस वित्त वर्ष में 200 आत्माओं को प्रभु के लिए जीता जा सके। रानी की पित्ताशय की पथरी और पुजा की मानसिक असंतुलन से चंगाई के लिए।

मध्य प्रदेश

डबरा :

सतीकान्त परीछा एवं सागरिका प्रधान

स्तुति करें : परमेश्वर ने एक गाँव में सुसमाचार सुनने में सहायता की, जहाँ 250 लोग सुसमाचार के प्रति सुग्राही हैं, और एक विश्वासी प्रभु के झुंड में शामिल हुआ। 400 नया नियम और 1 सम्पूर्ण बाईबल वितरित किए गए। विशाल भाठम और उसकी पत्नी ने प्रभु की सेवा के लिए अपने को समर्पित किया है। चुनाव के बावजूद सेवकार्य में कोई बाधा नहीं आई।



उपवास प्रार्थना
दिवस

Happy Birthday

श्रीमती सन्मता मनोहर थाने
श्री ओमप्रकाश

प्रार्थना करें : धई और सुल्तानपुर के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु पर उनके विश्वास का नवीकरण हो। भाई संतोष और उनकी पत्नी के प्रभु कि सेवा में समर्पित होने के लिए। विवाह के बाद 9 वर्षों से संतान रहित दीपक और उनकी पत्नी को संतान की आशीष मिले। भारी वर्षा के कारण प्रेमनगर में चर्च निर्माण एवं नलकूप खुदाई के रुके हुए काम के सफलतापूर्वक पूरा होने के लिए।

पंसेमाल :

भानसिंह एम. वासवा एवं यमन

स्तुति करें : 6 लोग प्रभु के झुंड में शामिल हुए और 8 गांवों में सुसमाचार सुनाया गया। 12 गांवों में अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला संचालित हुए जिनसे 512 बच्चे लाभान्वित हुए। मंदनी गाँव के 28 लोगों ने यीशु को व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण किया। प्रार्थना तेल लगाकर प्रार्थना करने पर स्मितिया दादा की रीढ़ से ट्यूमर गायब हो गया।

प्रार्थना करें : घटिया, सपखदकी, उम्बरवेड़ा, कवड़ी, तिमला गांवों के

सुसमाचार विरोधी लोग पश्चाताप करें। किडनी की बीमारी के कारण आखरी साँसे गिन रहे जेहरिया दादा के चमत्कारिक चंगाई के लिए।

नेपानगर :

युवराज वर्द्धन एवं शीबा जैस्मिन

स्तुति करें : परमेश्वर का वचन 2 गांवों में प्रचार किया गया और 6 लोगों ने यीशु पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। 2 बाईबल वितरित किया गया। नंदकिशोर 4 दिनों से लगातार हिचकी से पीड़ित था पर प्रार्थना करते ही चंगा हो गया। सारे शरीर में घाव से पीड़ित बेटे के लिए सलीता ने प्रार्थना किया तो प्रभु ने उसे चंगा कर दिया।

प्रार्थना करें : विश्वास से पीछे हट गए सोनार भाई के लिए प्रार्थन करें की वह फिर से विश्वास में आ सके। इस वर्ष की खेती के लिए पर्याप्त वर्षा और अच्छे मौसम के लिए। गेंदालाल की माँ और गोपाल की हृदयरोग से और सिंगलू बाबा के लीवर के सूजन की बीमारी से चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

पाल :

महेन्द्रन एवं पुष्पम

स्तुति करें : 6 गांवों में सुसमाचार सुनाया गया और 2 विश्वासी प्रभु की कलीसिया में शामिल हुए। 2 नया नियम बांटे गए। परमेश्वर ने प्रार्थना के उत्तर में राजू को 8 एकड़ जमीन खरीदकर खेती-बारी करने में सक्षम किया। परमेश्वर ने अंजलि के



टूटे हाथ को चंगा किया और मुनी को सारे शरीर पर फैले फोड़ों से चंगा किया। रीना भाई की बकरी खो गई थी, प्रार्थना के द्वारा तीन दिनों बाद घर लौट आई।

प्रार्थना करें : अमावसी गौँ के विश्वासियों को धमकाने और आराधना में बाधा डालने वाले फॉरेस्ट रेंजर के लिए प्रार्थना करें कि वह पश्चाताप करे। अर्जुन को दाहिने पैर के पुटक (सिस्ट) से चंगाई मिले। सकिया देव के गरीब ग्रामीणों के लिए कि उन्हे उनके घरों के पट्टे मिल सकें।

खलवा :

बिनित प्रसाद वर्द्धन एवं अमोजिता

स्तुति करें : 2 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 25 नया नियम बांटे गए। 41 लोगों ने प्रभु में विश्वास का अंगीकार किया। 2 गाँवों में अनुवर्ती सेवकार्य किए गए, 80 लोगों ने सुसमाचार के प्रति रुचि दिखाई। जोरदार विरोध के बावजूद चारखेड़ा, बाड़ा, मोहोला और दागाखुट बीच गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। खलवा आराधनालय में संचालित 2 दिनों के विशेष सभा में 100 लोग उपस्थित हुए। दागाखुट गाँव में छोटा

प्रेयर सेल शुरू किया गया। उर्मिला गर्भाशय के ट्यूमर से चंगी हुई। शारदा के घर में प्रार्थना करने के बाद परमेश्वर ने दुष्टात्मा के बंधन से छुड़ाया और उसका पति शराब कि लत से छुटकारा पाया।

प्रार्थना करें : नए बनाए गए प्रेयर सेलोन के ठीक रीति से काम करने के लिए। आनेवाले समय के लिए जिन मीटिंग और सेवकार्य कि योजना बनी है, उनकी सफलता के लिए। इस वित्त वर्ष में चिकितलाई और जमथाब गाँवों में आराधनालय निर्माण के लिए। प्रमिला को

सेवा क्षेत्र से पहला मिशनरी !

कृष्णावेनी पटपड़गंज फिल्डय दिल्ली में हमारे मिशनरी के पड़ोसी की बेटी है। अपने परिवार में सबसे पहले करी छः साल पहले दिल्ली प्रार्थना समूह के अगुओं के द्वारा और FMPB पटपड़गंज फिल्ड की सेवकाई के द्वारा प्रभु यीशु को ग्रहण किया। बहुत सी समस्याओं से उसे छुटकारा मिला और अंततः पूरे परिवार ने प्रभु को ग्रहण किया और यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता अंगीकार किया। उसे मिशनरी के रूप में प्रभु की सेवा करने और उसी के समान नाश हो रहे लोगों को बचाने की बुलाहट हुई। उसने FMPB के माध्यम से मिशनरी बनने का आवेदन दिया। प्रभु ने उसे 13 और 14 जून 2022 को साक्षात्कानर में शामिल होकर FMPB से जुड़ने में सहायता किया। त्रिलोकपुरी की कलीसिया ने उसे बड़े आनंद के साथ अपने प्रथम मिशनरी के रूप में भेजा और लगातार उसके लिए प्रार्थना करने का प्रण किया। प्रभु की महिमा हो।



Happy Birthday

श्री ज्योति मेरी हेलेन मामगुंटा
श्री मलियास मालतो

ब्रेस्ट कैंसर से और झओला बाबा एवं मंशाराम को लकवा से चंगाई मिलने के लिए। संगीता और राधाबाई को दुष्टात्मा से छुटकारा मिले। राधेश्याम को शराब कि लत से छुट सके।

धूलकोट :

आइजक एवं सीता

स्तुति करें : 4 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 11 नया नियम बांटे गए। बच्चों कि सभा और रात्रि सभाएं सफलतापूर्वक संचालित कि गईं। करीना के गर्भावस्था के 6ठे महीने में रक्तस्राव होने लगा था, विश्वासियों के उपवास प्रार्थना से वह चंगी हो गयी। उपवास प्रार्थना में भाग लेने के द्वारा मनीष मिर्गी कि बीमारी से छुट गया। विषैले साँप के काटने से कानामींग को उल्टी और चक्कर आने लगा, पर प्रार्थना के द्वारा विष उतर गया और वह ठीक हो गया। बसली गाँव का ननला पागल हो गया था और बेड़ियों से जकड़ा था, 5 वर्षों बाद वह दुष्टात्माओं से छूटा।

प्रार्थना करें : गाड़ी, चमेली, कालीकिरद,

बौठी, सिंदखेड़ा, रेंका, जेटली, भिलोड़ी और अम्बा कॉलोनी में विभिन्न कारणों से रुकी हुई नियमित सभाएं फिर से शुरू हो सकें। हमारे पूर्व स्थानीय प्रचारक के पश्चाताप के लिए, जो विश्वासियों के बीच फूट डालता है और सेवकाई में समस्याएँ खड़ी करता है। गौती मंडली में फिर

सर्वशक्तिमान परमेश्वर !

गिरजाबाई रामकिशोर नेपानगर मध्यप्रदेश के तुकईथाड गाँव की है। वह 12 वर्षों से दुष्टात्मा के वश में थी। यह दुष्टात्मा न सिर्फ उसे सताती थी वरन पूरे परिवार को। दो साल पहले उनका 9 वर्षीय बेटा एक डैम के पास खेल रहा था, दुष्टात्मा ने उस लड़के को पानी में धकेल दिया और वह डूब गया। वह दुष्टात्मा गिरजाबाई में होकर मुझे बताती थी कि उसके पूरे परिवार को नष्ट करने के बाद ही मैं उसे छोड़ूँगी। उ दुष्टात्मा ने स्वीकार किया कि उसी ने उनके बेटे को मारा था। परिवार के लोग बहुत ही दयनीय स्थिति में और भयभीत थे। उनके रिश्तेदारों ने यीशु मसीह के बारे बताया। 12 जून को गिरजाबाई को हमारे तुकईथाड मंडली में प्रार्थना के लिए लाया गया। सभी विश्वासियों ने उसके लिए प्रार्थना किया। प्रभु को महिमा मिले कि उसी सभा में उसे दुष्टात्मा के चुगुल से छुटकारा मिल गया और अब सारा परिवार प्रभु की आराधना करता है। प्रार्थना करें कि वे प्रभु बढ़ते जाएँ। हल्लेलूय्याह।



Happy Birthday

श्रीमती जानाशेखरी जॉन डेविड
श्री अशोक नायक

से आराधना सभा फिर से शुरू हो सके। ओझा-टोन्हा करने वाले रागा भाई और जुगलीबाई तथा धनसिंह और कालूमाता को परमेश्वर स्पर्श करे। छोटी भाई, अमलयापन, देहमानया और पिपल्या के लिए कि वे दुष्टात्मा से छुटकारा मिल सके। युवा माता लुडिबाई जो मानसिक रोग के कारण अपने छोटे बच्चे को दूध भी नहीं पिलाती, उसकी चंगाई के लिए। कलीसिया के लीडर सूबा सिंह के लिए कि वो भय से छुटकारा पाय।

बिहार

रानीगंज :

जॉन एवं सेलिना जोयस

स्तुति करें : महिषी और धमसायना गाँवों में रविवारीय आराधना सभा शुरू की गई हैं। गोविंदपुर में रात्रि सभाएं की गईं। 5 गाँवों में अनुवर्ती सेवकार्य किए गए। परदेसी बिन्दु को अज्ञात बीमारी से परमेश्वर ने चंगा किया।

प्रार्थना करें : नई विश्वासी पुजा देवी के लिए जो स्वेच्छा से भेटई गाँव में सुसमाचार बाँट रही है। गोविंदपुर गाँव

की रात्रि सभा में नियमित आनेवाले 3 परिवारों के लिए कि प्रभु में अपने विश्वास का अंगीकार करें। विजय महतो के जमीन विवाद का निपटारा हो सके। मिशनरियों और प्रचारकों की सुरक्षा के लिए जब वे नाव से कोशी नदी पार करते हैं। प्रचार कार्य में हमारे मिशनरियों की सहता करनेवाले दीपनारायण और मिथिलेश की आत्मिक बढ़ती के लिए।

झारखण्ड

पूर्वी क्षेत्र विकास :

**जॉनसन राजादुरई एवं
विनोदिनी जॉनसन**

स्तुति करें : परमेश्वर ने सीडीसी के बच्चों को विभिन्न बीमारियों और कीटों से बचाया। एक साल में ग्राम बाल साक्षरता

महान चंगा करनेवाला परमेश्वर !

रूपलाल गितलपुर गाँव से हैं, जो पश्चिम बंगाल के समसी फिल्ड में है। रूपलाल प्रभु पर विश्वास करने वाले नहीं हैं। वे अपने हाथ बाएँ हाथ के संक्रमण से लंबे समय से जूझ रहे थे। उस हाथ में सूजन था और उससे मवाद निकल रहा था। ईलाज से कुछ लाभ नहीं हो रहा था। उसके माता-पिता ने प्रचार टीम को प्रार्थना करने को आमंत्रित किया। उन्होंने तेल लगाकर प्रार्थना किया और घाव उसी दिन ठहक हो गया। अब वे यीशु मसीह के प्रेम को जानने के लिए उत्सुक हैं।



Happy Birthday

श्री चार्ल्स चेल्लाकुमार

श्री धुबाराज वेबरता

श्रीमती साफिया डेनिएल राजामनी

कार्यक्रम 16 गाँवों में पूरे किए जा चुके हैं। 28 युवाओं के लिए वयस्क साक्षरता कार्यक्रम किए गए।

प्रार्थना करें : 16 गाँवों में ग्राम बाल साक्षरता कार्यक्रम के दूसरे बैच की शुरुआत के लिए किए जा रहे प्रयास की सफलता के लिए। युवाओं को बाईबल और गीत पुस्तिका पढ़ने में सक्षम बनाने के मुख्य उद्देश्य पर परमेश्वर की आशीष के लिए। केजी और 1ले वर्ग के स्तर पर विद्यार्थी 10 महीने में माल्टो, इंग्लिश और हिन्दी सीख सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से 3 सालों में 3000 बच्चों को बेसिक शिक्षा प्राप्त कराने के लिए। शराब की लत में पड़े हुएों के लिए उचित पुनर्वास कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए। किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम, बाँसकला जैसे जीविकोपार्जन के कौशल विकास कार्यक्रम, 10वीं (इस वर्ष 77) और 12वीं पास माल्टो युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दिये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सफलता के लिए प्रार्थना करें। 2000 माल्टो विधवाओं को आजीविका प्रदान करने के निमित्त बकरी, मुर्गी, सूअर एवं अन्य जानवर

उपलब्ध करने के लिए। 600 गाँवों में जीजस फिल्म दिखाने और जागरूकता कार्यक्रम करने के लिए आवश्यक टीम

**धर्मीजन सात बार गिरे तौभी
उठ खड़ा होता है!**

सुनीता मडावी महाराष्ट्र के जिमलागट्टा फिल्ड के पेरखाबत्ती गाँव की है। वह माडिया गोंड समुदाय से है। उसने अपने परिवार समेत यीशु पर विश्वास किया और अपने विश्वास का अंगीकार किया। यीशु पर विश्वास करने से पहले उसे शराब पीने की आदत थी, लेकिन उद्धार पाने के बाद उन्होंने वैसा न करने को सिखाया गया। तब पूरे परिवार ने शराब पीने और तंबाकू का सेवन जैसे सभी बुरी आदतों को छोड़ दिया। एक दिन उसके एक घनिष्ठ मित्र ने पीने को उकसाया और उसने शराब पी लिया। इसलिए कि उसका पूरा परिवार बिल्कुल नहीं चाहता था कि वह शराब पीए, इसलिए वह तनाव में आ गई और जहर पी लिया। वह अचेत हो गई और माता-पिता उसे जिमलागट्टा अस्पताल ले गए। उसके भाई ने मिशनरी को यह बात बताया। उसे तुरत अस्पताल ले जाया गया और इस बीच मिशनरी ने मसीही डॉक्टर से फोन पर बात किया और ईलाज का बंदोबस्त किया। डॉक्टर ने ईलाज के बाद उसे आगे के ईलाज के लिए अहेरी तालुका अस्पताल में रेफर कर दिया, पर वे गए नहीं, बल्कि मिशनरी को प्रार्थना करने को कहा। इसलिए सारी रात उसकी चंगाई के लिए प्रार्थना किया गया, परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना सुनी और उसे पूरी तरह चंगा कर दिया। परमेश्वर को महिमा मिले।



Happy Birthday

श्रीमती हेमिबा अल्बर्ट
श्रीमती झांसी रॉबिन्सन
श्रीमती मगदलीनी ग्रेस इसाहक
श्रीमती दुलती रियांग नाबासिह

और उपकरण के लिए। राजमहल पहड़िया विकास समिति के लिए कि वे ईमानदारी से सरकारी विकास कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाएं। माल्टो भाषा में कृषि हस्तपुस्तिका, बैनर और अनुवर्ती सामाग्री (पिल्लिम्स प्रोग्रेस) तैयार करने के लिए। परमेश्वर राजमहल की पहाड़ियों पर निवास करने वाले माल्टो लोगों की आजीविका में वृद्धि में सहायता के प्रयासों का वांछित फल प्रदान करे। कृषि, पशुपालन एवं लघु उद्योग उत्पादों के द्वारा अधिक लाभ प्राप्त हो। सरकार के लिए कि वह हमारे विश्वासियों को जल-छाजन, भू-विकास और पेयजल परियोजना जैसी प्राकृतिक संसाधन विकास कार्यक्रमों में सहायता करे।

मांडो :

मिरज्यो एवं सेलिना हांसदा

स्तुति करें : 8 गांवों में सुसमाचार सुनाया गया और 6 नए विश्वासी प्रभु के झुंड में शामिल हो गए। 16 स्थानों में रात्रि सभाएँ

की गई। कलीसिया के सयानों, युवा, छोटे समूह आदि के लिए सभाएँ बिना रुकावट के हो सकीं। दाऊद मराईया परिवार ने कई अविश्वासियों को अपने घर में सुसमाचार सुनने के लिए आमंत्रित किया। तालाकुरी बेसरा को विषैले साँप ने कट लिया था, प्रभु ने उसे बचाया। रीना कोड़े का रक्तचाप प्रसव के दौरान बढ़ गया और नर्स ने उसे खराब सड़क से 60 किलोमीटर दूर अस्पताल ले जाने को कहा, लेकिन उन्होंने प्रार्थना किया और अस्पताल लिए बगैर ही उसका सामान्य प्रसव हुआ।

प्रार्थना करें : शराब बनाने का धंधा करनेवाले मारकुस परिवार के पश्चाताप करने लिए प्रार्थना। राजेश को सात्वना मिलने के लिए जिसके पत्नी कि 3 महीने पहले मृत्यु हो गयी और मस्तिष्क में खून जमने से अवसादग्रस्त हो गया। डाबरा गाँव के निर्मल मुर्मु के तपेदिक और मधुमेह से चंगाई के लिए। दिनेश चन्द्र हैंब्रम के लिए कि वह बुरी संगति और नशापान छोड़ दे।

लालमटिया :

अमारेन्द्रन एवं स्वेता

स्तुति करें : पाँच लोग प्रभु के झुंड में लाये गए। छोटेराय टुडु का हाथ अचानक काम करना बंद कर दिया था परमेश्वर ने उसे चंगा कर दिया। एक परिवार ने स्वेछा से सेवा में सहायता करने की इच्छा जाहिर किया है।



Happy Birthday

श्रीमती मेरी सेबस्टीन

प्रार्थना करें : सेवाक्षेत्र के हरेक गाँव में द्वार खुलने के लिए। फिल्म कार्यक्रम के मार्ग की सभी बाधाएँ दूर की जाएँ। बबीता की माताजी खड़ी नहीं हो पाती हैं, उनकी चंगाई के लिए। ताला टुडु जिसे पुराने घाव से चंगाई मिली अपने विश्वास के अंगीकार का साहस पाए। संजली के लिए टीकेएस टूटे पैर के साथ 9 महीनों से संघर्ष कर रही है, वह यीशु पर विश्वास करती है लेकिन रिश्तेदार प्रभु को ग्रहण करने का विरोध करते हैं।

तीनपहाड़ और भगईया :

जेबाकुमार एवं पोनलता तथा नेहेमियाह एवं अनामिका

स्तुति करें : हमारे विश्वासी मसूरिया के निरंजन खलखो का चयन इस क्षेत्र से 3रे पूर्णकालिक मिशनरी के रूप में हुआ। हमारे स्थानीय प्रचारक अल्बर्ट कुजूर का हर्निया का ऑपरेशन सफल हुआ। कोरोना के कारण जिन बच्चों की पढ़ाई छूट गयी थी उनका फिर से एडमिशन करने में परमेश्वर ने सहायता किया। चौरी

मंडली के गिरजाघर में जाने का सीधा रास्ता नहीं था, घूमकर जाना पड़ता था लेकिन जमीन दानकर्ता अल्बर्ट कुजूर और उसके भाई के साथ विवाद सुलझ जाने से गिरजा के लिए मुख्य सड़क से सीधा रास्ता मिल गया। मसूरिया, बठला, गुरुपट्टी, और पड़से गाँव के विश्वासी गिरजाघर बनाने के लिए आगे आए हैं। महतो, मूसहर, मुंडा और दास समुदाय के लोग सुसमाचार के प्रति सुग्राही हैं।

प्रार्थना करें : अल्बर्ट कुजूर के शीघ्र चंगाई और उत्साह से सेवा में लग जाने के लिए। मदनसागी गाँव में चल रहे आराधनालय निर्माण कार्य के लिए की वह शीघ्र पूरा हो और प्रभु की महिमा के लिए समर्पित किया जा सके। एनएसएम हॉस्टल में रहकर सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विश्वासियों के बच्चों के लिए की वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित न रहें। राजेंद्र किस्पोट्टा, रविंदर कुजूर, सुखदेव तिकी, राम एक्का, राजेश लकड़ा और सुनील कमर के आत्मिक उन्नति के लिए जिन्होंने पूर्णकालिक सेवा के लिए समर्पण किया है।

संताली LTI एवं कडुवा :

सुंदर दुरई एवं मेलबिन

स्तुति करें : पिछले महीने परमेश्वर ने मिशनरियों को 5 गांवों में प्रचार करने में मदद किया और 3 विश्वासी प्रभु के



उपवास प्रार्थना
दिवस

Happy Birthday

श्रीमती नाई थियांगचिंग जंखोलुन

झुंड में शामिल किए गए। 5 बाईबल बांटे गए। नव सेवा मंडल से मिले राशन से 80 विश्वासी लाभान्वित हुए। मेला में 800 विश्वासी जमा हुए और विश्वासियों ने मेला के लिए स्वेछा से रु.40000/- चढ़ावे में दान दिया। अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला के द्वारा 7000 बच्चों तक सुसमाचार पहुंचाया गया। दो दिवसीय उपवास प्रार्थना में 250 विश्वासी जमा हुए। 72 वयस्कों ने वयस्क साक्षरता कार्यक्रम में भाग लिया जिनमें से 17 लोग कभी स्कूल नहीं गए थे। प्रेमलता हांसदा अचानक गिरने से देख नहीं पा रही थी, उसके अश्रुपूर्ण प्रार्थना को देख परमेश्वर ने उसे चंगा किया।

प्रार्थना करें : हमारे स्थानीय प्रचारक के परिवार के लिए प्रार्थना करें जो लाजर मुर्मु के हार्ट अटैक से मृत्यु हो जाने से शोकित हैं। परमेश्वर हमारे स्थानीय प्रचारक तिमोथी माल्टो को हार्निया से चंगा करें। मिर्गी से पीड़ित हमारे अनेक विश्वासियों की चंगाई लिए। कि परमेश्वर

हमारे नए विश्वासी अनिल बास्की को आशीष दें, जिसका एक पैर नहीं है फिर भी छोटी दुकान से आजीविका चला रहे हैं।

पश्चिम बंगाल

हल्दीबाड़ी :

अनिल कुमार बिसोई एवं एलिस

स्तुति करें : 4 गांवों में सुसमाचार सुनाया गया और 5 गांवों में अनुवर्ती सेवकार्य

**हर एक जीभ यीशु के नाम का
अंगीकार करेगी !**

दुलारी कुमारी और सोनी कुमारी झारखण्ड के मांड्रो फिल्ल के इताहारी गाँव के हैं। वे दोनों अचानक पागल हो गईं। उन दोनों को कलीसिया के अगुवों और प्रचारक के पास प्रार्थना के लिए ले जाया गया। प्रार्थना के दौरान प्रचारक ने उनसे यह कहने को कहा कि “प्रभु यीशु कृपया मुझे चंगा करें” उनमें से एक ने अपना मुँह भी नहीं खोला और दूसरे ने हँसना शुरू कर दिया। हमारे प्रचारक ने कई घंटों तक लौ लगाकर प्रार्थना करना जारी रखा। उसके बाद दोनों बेदम होकर अचेत हो गए। जब उन्हें होश आया तो वे सामान्य थीं। जब उन्हें पूछा गया कि बोलने कहने पर वे क्यों नहीं बोलीं तो उन्हें ने कहा कि उन्हें बोलने का मन नहीं था। पूरा परिवार यीशु पर विश्वास करने लगा और लगातार आराधना में शामिल होते हैं। परमेश्वर पूरे परिवार की सहायता करे कि वे प्रभु पर अपने विश्वास का अंगीकार करें।



Happy Birthday

श्रीमती गीता केनेथ
श्रीमती मेलबिल रागिनी सुन्दर
श्री अखिलेश कुमार
सुश्री मेरी नैगनेईकिम खोंगसई

किया गया। 30 नया नियम बांटे गए। 3 गाँवों में रात्रि सभाएँ सफलतापूर्वक हुईं।

प्रार्थना करें : राजबंसी समुदाय के लोगों के लिए जो यीशु पर विश्वास करते हैं लेकिन अपने विश्वास का अंगीकार नहीं करते। जिन गाँवों में अनुवर्ती सेवकार्य किए गए वहाँ के लोगों के लिए कि वे प्रभु को ग्रहण करें। इस क्षेत्र के लोग बंधनों से मुक्त किए जाएँ।

अहमदगढ़ मंडी :

**चौधरी राजेश एवं सरिता पॉल
तथा दीप्ति लाल माली एवं रेणुमा**

स्तुति करें : 650 गाँवों में सुसमाचार सुनाये गए। एक व्यक्ति प्रभु के झुंड में शामिल किया गया। 50 नया नियम बांटे गए। 3 नए गाँवों में सुसमाचार पहुँचाया गया। 2 स्थानों में आयोजित अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला में 130 बच्चे उपस्थित हुए। प्रचारक टीम और विश्वासी नए लोगों को सुसमाचार

बताने में बहुत सक्रिय हैं। परमेश्वर ने प्रीति कौर को सर्पदंश से बचाया।

प्रार्थना करें : आगामी दिनों में ठहराए गए सभी सभाओं और प्रचार कार्यक्रमों पर आशीष के लिये। इस कार्यक्षेत्र की कलीसिया विश्वासियों से भर जाए। प्रीति कौर की शांति के लिए जिसका बेटा जन्म के 12 दिन बाद ही मर गया।

इतहर :

**अस्तवन आदित्य कुमार लीम्मा
एवं मणिनी कुमारी**

स्तुति करें : 6 गाँवों के 118 नए लोगों को सुसमाचार सुनाया गया और 14 विश्वासियों ने यीशु मसीह पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। 2 नये आराधना समूह बनाए गए। अंजली हांसदा खून की उल्टी करती थी, प्रभु ने चंगा कर दिया। इस क्षेत्र में सेवा करने के लिए एक स्थानीय प्रचारक और एक नया मिशनरी परिवार जुड़ गए हैं।

प्रार्थना करें : नए विश्वासियों के लिए कि वे आत्मिक रूप से बढ़ें और अपने मित्रों और रिश्तेदारों यीशु से परिचित कराएँ कि वे भी उद्धार पा सकें। कि परमेश्वर बाहा सोरेन और बुत मर्दी को लकवा से चंगाई दें। कि मोनिका सोरेन, सीरु सोरेन, रंगिल सोरेन, लक्खी मुर्मु, अर्जुन मराण्डी, संजय मराण्डी के परिवार के



Happy Birthday

श्रीमती कुमारी सुसामा हारामोहन
श्रीमती सुष्मिता समारेन्द्र सिंह

लोग प्रभु को उद्धारकर्ता स्वीकार करें।
अगुओं के बीच प्रेयर सेल अच्छी तरह
काम करें और बहुतों को गवाही दें।

समसी :

दीप रत्ना एवं मिथिलेश

स्तुति करें : 9 गाँवों में वृहत्त प्रचार कार्यक्रम किया गया। 28 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 2 स्थानों में नया प्रार्थना समूह बनाए गए और एक जगह पर फिर से काम करना शुरू किया। विश्वासियों का कैंप, लघु प्रार्थना समूह, प्रचारकों के लिए बाईबल अध्ययन, युवा बाईबल स्टडी संचालित किए गए। हमारे विश्वासियों के बच्चे सैमुएल और सोना को 11वीं में दाखिला मिल गया और वे 12वीं तक की पढ़ाई निशुल्क करेंगे। झुमरी मराण्डी की 4 बकरियाँ गुम हो गई थीं, 2 दिनों तक प्रार्थना के बाद वापस आ गईं। सात वर्षों कि प्रार्थना के बाद परमेश्वर ने लुपुंग गाँव में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खोला है।

प्रार्थना करें : जमालपुर गाँव के सुधा, बड़कू मराण्डी और तुलसी मराण्डी के परिवार के लिए जो सुसमाचार कि तरफ झुकाव रखते हैं कि वे प्रभु को अपना स्वामी और उद्धारकर्ता स्वीकार करें। वारी गाँव में आराधनालय निर्माण के लिए क्योंकि बरसात में आराधना करना मुश्किल होता है। बिहार बार्डर में एक फिल्म सेवकाई शुरू करने के लिए। हमारी खोजिका संजली सोरेन के माध्यम से जितलपुर गाँव में आराधना समूह शुरू करने के लिए।

तपन :

किंग्सले लिविंग्स्टन एवं डेल्फिन

स्तुति करें : 1 गाँव में प्रचार किया गया। 2 रात्रि सभाएँ और 3 फिल्म प्रोग्राम किए गए। अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला लगी जिसमे 75 बच्चों ने भाग लिया। प्रसव के दौरान अत्यधिक खून बहने से मरने के कगार पर पहुंची रीना सोरेन को परमेश्वर ने चंगा कर दिया।

प्रार्थना करें : नुरुल, नेहेम्बा और तपन गाँव के मलिन टुडु, जेठा सोरेन, संजीत सोरेन, सिबलाल सोरेन, सोम सोरेन, सनातन टुडु और सुधीर सोरेन के परिवारों के लिए जो सुसमाचार में रुचि रखते



Happy Birthday

श्री इस्त्राएल डेनिएल पी.

श्री इम्मानुएल सुर्मु

शअरीमती नीरुबेन सोमा भाई

हैं, कि वे प्रभु पर विश्वास का अंगीकार करें। बासपाड़ा में आराधनालय निर्माण का काम शुरू करने और नुरुल में पूरा करने के लिए। आनेवाले फिल्म कार्यक्रम, सामूहिक प्रचार, विश्वासियों का कैंप, घर-घर प्रार्थना कार्यक्रमों की सफलता के लिए, दरयुत मार्डी की फूली हुई आँख, रेजिना मार्डी को दौरा पड़ने और 12 वर्षीय लतिका सोरेन के आँख संक्रमण से चंगाई के लिए। कि देबू सोरेन को परमेश्वर दुष्टात्मा के भय से छुड़ाए। महिपूर में सुसमाचार के लिए द्वार खुले।

गंगारामपुर :

दिहे एवं चरनी

स्तुति करें : 4 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 12 लोग प्रभु के झुंड में शामिल हो गए। 9 नया नियम और 3 सम्पूर्ण बाईबल बांटे गए। 11 रात्रि प्रचार सभाएँ कि गई और 3 परिवार सुसमाचार के प्रति रुचि दिखा रहे हैं।

आत्माओं को जीतनेवालों को प्रशिक्षण दिया गया। भाग लेनेवाले 26 में से 20 लोगों ने प्रार्थना करने और दूसरों को प्रभु के पास लाने के लिए समर्पण किया।

प्रार्थना करें : नए विश्वासी सोम सोरेन, सेन्तु सोरेन और मोहकलाल टुडु के परिवारों के प्रभु में बढ़ने के लिए। पानापाकुड़ गाँव में कच्चा आराधनालय निर्माण और विश्वासीगण के अपने रिश्तेदारों को गवाही देने के लिए।

असम

जोनाइ :

सुनील एवं जॉय बेला

स्तुति करें : 5 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 10 गाँवों में मेडिकल कैंप लगाए गए। एक व्यक्ति प्रभु के झुंड में शामिल हुआ। विशेषकर बच्चों के लिए लगाए गए कैंप में 40 बच्चों ने भाग लिया। खोजकों के लिया एकदिवसीय कैंप और विश्वासियों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण लगाए गए।

प्रार्थना करें : हमारी सेवकाई का विरोध करनेवाले रोमा पेगु के लिए कि वह परमेश्वर के प्रेम से कायल किया जाए। सुनील कुंबाग का परिवार प्रभु को



Happy Birthday

सुश्री एमी आनन्दी

उद्धारकर्ता ग्रहण करे। मोंगालाल पेगु के लिए कि वह नशापान छोड़े। पापा डोले के लिए कि उसे संतान प्राप्त हो।

छत्तीसगढ़

भईयातान :

**थंगचिनलियान एवं
वंथियाङ्चिंग**

स्तुति करें : 2 गाँवों के 10 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 2 नया नियम बांटे गए। उपवास प्रार्थना बिना बाधा के संचालित हुआ और बहुत से लोग सुसमाचार के प्रति सुग्राही हैं।

प्रार्थना करें : कि परमेश्वर कुशमेहा को चंगा करे जिसके दोनों पैर बिजली के झटके से जल गए हैं। बिजली झटके के प्रभाव से अनिल को चंगाई मिले। फुलमनिया के परिवार को संतान प्राप्त हो। आगामी फिल्म शो, रात्रि सभा और अनुवर्ती सेवाकार्य पर परमेश्वर कि आशीष के लिए।

ओडिशा

रायरंगपुर :

सैमुएल एवं हविला

स्तुति करें : 6 गाँवों में प्रचार किया गया और 245 नए लोगों नए सुसमाचार सुना। 14 लोगों ने प्रभु पर विश्वास का अंगीकार किया है। मंगल समद को खेत में हल चलाते हुए अचानक छाती दर्द से चंगाई मिली। विश्वासियों की लौ लगाकर कि गई प्रार्थना से बेलो नाईक को जौडिस से चंगाई मिली।

प्रार्थना करें : 3 मंडलियों में आराधनालय निर्माण शुरू हो सके और दस्तावेजी काम बिना देरी के हो सके। बलकासाही गाँव में शुरू किए जाने वाले प्रार्थना समूह कि लिए और यह कि इसके द्वारा सारा गाँव यीशु मसीह को जान सके। आराधना में चंगाई पाने वाले नियमित रूप से आराधना में शामिल हों। जमुना बेथनी का पति घर वापस आ कर साथ में रहे।

गुजरात

LTI - फोकड़ी :

रूबेन रवि एवं विजयारानी

स्तुति करें : सहयाद्रि क्षेत्र के सत्रह वरीय सुसमाचार प्रचारकों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। फोकड़ी के जमीन की घेराबंदी पूरी हुई। गर्मी की छुट्टियों से लौटे हॉस्टल के बच्चे और



नया दाखिला पाए बच्चे भी अच्छी तरह से अभ्यस्त हो गए हैं।

प्रार्थना करें : 3 क्षेत्रों से आनेवाले सुवार्तिकों के लिए तीसरे चरण के प्रसशिक्षण के लिए। पानी की कमी वाले इस क्षेत्र में परमेश्वर अच्छी वर्षा दें। सुवार्तिकों के लिए FMPB शिक्षण सामग्री को जल्द पुस्तक रूप देने के लिए। रमेश भाई और गोमती बेन के लिए जो फिर से रसोई और रखरखाव का काम करने के लिए जुड़ गए हैं।

नसवाड़ी :

युवनेश एवं झाँसी

स्तुति करें : 4 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 124 लोगों ने सुसमाचार के प्रति रुचि दिखाया। 10 नए नियम और 5 सम्पूर्ण बाईबल बनते गए। 7 गाँवों में अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला बिना बाधा के संचालित हो सके। एक रात्री साभा के दौरान विश्वासियों की प्रार्थना से राकेशभाई मिर्गी से तुरत चंगा हो गए। कमलेश भाई का दाखिला एक नामी विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई के लिए हो गया।

प्रार्थना करें : दुंग्राभील समुदाय के लोगों के सामाजिक उत्थान केई लिए। दुंग्राभील लोगों के बीच से सिकल सेल नमक खून की कमी वाली बीमारी का सफाया हो सके। खलीडिया में आराधनालय निर्माण का काम निर्विघ्न पूरा हो सके। कृषि मजदूर के रूप में काम करने पड़ोसी राज्यों में गए हमारे विश्वासी विश्वास में दृढ़ रहें और गवाही का जीवन बिताएँ।

बोडेली :

येसु बाबू एवं उषा

स्तुति करें : 37 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया जो सुसमाचार के प्रति सुग्राही हैं। 3 नया नियम बांटे गए। ताड़वी लोगों के लिए अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला लगाई गई जिसमें 27 बच्चों ने भाग लिया। नीलेश भाई और अशोक भाई प्रभु के झुंड में आ गए हैं। परमेश्वर ने मधुमेह के कारण लकवाग्रस्त संध्या को चंगाई दे रहे हैं और वह आराधना सभा में शामिल होना शुरू की है।

प्रार्थना करें : मिशनरियों को नए कार्यक्षेत्र में यथाशीघ्र अभ्यस्त हो जाने में परमेश्वर सहायता करें। सुसमाचार में रुचि दिखने वाले लोग प्रभु को ग्रहण करें। सोना भाई को हाथ की गिल्टी से चंगाई मिले, दिनेश भाई को कंधे की गिल्टी से, ईश्वर भाई को गर्दन की गिल्टी से और गरल



Happy Birthday

श्री रामामुनी जे. बी. वी. प्रसाद
श्री वेंकटेश वाडार
श्री आशीष कुमार
सुश्री सुभासिनी मुमुं

भाई की पत्नी को छाती की गिल्टी से चंगाई मिले। शैलेश भाई को दुष्टात्मा से छुटकारा मिले।

धरमपुर और खेरगाम :

विग्रेश्वरन एवं अंजेलीन

स्तुति करें : 6 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 17 बाईबल बांटे गए। कुंधिया गाँव के 3 परिवारों ने यीशु को उद्धारकर्ता ग्रहण किया। खेरगाम में 10 लोगों ने यीशु पर विश्वास का अंगीकार किया। आदिबेन को परमेश्वर ने लकवा से चंगा किया। दांदुवेल गाँव में एक प्रार्थना समूह खड़ा किया जा सका।

प्रार्थना करें : सारथावेश के सरकार को जीभ के कैंसर से चंगाई मिले। जुली बेन को पेट के सिस्ट से चंगाई मिले। रसीला बेन और रीना बेन को दुष्टात्मा से छुटकारा मिले। कोबा, मामा, पाचा, पोबी और सारथावेश गाँव में आराधनालय निर्माण के लिए।

भावनगर :

अखिलेश कुमार एवं किरण देवी

स्तुति करें : इस क्षेत्र में परमेश्वर की महिमा के लिए नव पदस्थापित मिशनरी परिवार के लिए। कोविड के कारण बिखर गए विश्वासियों से फिर मिलने में परमेश्वर की सहायता के लिए। अलंग मंडली के विश्वासी बिना रुकावट के आराधना में शामिल होना शुरू कर दिया।

प्रार्थना करें : मिशनरियों के घर मालिकों के लिए कि वे अपने घर में आराधना सभा करने कि अनुमति दें। मिशनरियों



नामचीन व्यक्तित्व परमेश्वर के द्वारा छुए गए !

पटपड़गंज फिल्डश के कल्याबनपुरी का रहनेवाला कुलदीप उस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण व्यक्ति है। एक दिन उसका पिता कालीचरण मानसिक रूप से बीमार हो गया और घर के सब लोगों को परेशान करने लगा। इस तरह परिवार में कोई शांति नहीं थी। कुलदीप अपने मित्र की मार्फत हमारे प्रचारक प्रेमचंद को फोन किया और उसे आश्वासन मिला कि उसका पिता प्रार्थना के द्वारा चंगा हो जाएगा। प्रेमचंद ने फोन पर ही प्रार्थना किया और कालीचरण को विश्वस्तापूर्वक प्रभु से प्रार्थना करने की सलाह दी। प्रार्थना समाप्त होते ही उसका पिता कालीचरण चंगा हो गया और मानसिक बिमारी से छूट गया। उसका परिवार अब यीशु पर विश्वास करना और प्रार्थना करना शुरू कर दिया। प्रार्थना करें कि परिवार सच्चे और जीवित परमेश्वर को जान सके और प्रभु के झुंड में मिल सके।





उपवास प्रार्थना
दिवस

को कठियावाड़ी भाषा सीखने में परमेश्वर की मदद के लिए। दिनेश भाई एक कंपनी में काम करते हैं, अचानक से उनको दाहिनी आँख से दिखना बंद हो गया, उनकी चंगाई के लिए। महामारी के दौरान बिखर गए विश्वासियों को इकट्ठा करने में सहायता के लिए।

मोटापोंडा :

सैमुएल सुब्रमनी एवं सुशीला

स्तुति करें : 12 लोग मसीह के झुंड में शामिल हो गए। 2 बाईबल बांटे गए। कूटलि आराधनालय निर्माण शुरू हो गया है। कूटलि कलीसिया का पारिवारिक विवाद बाईबल से समझाइश से सुलझ गया है। विश्वासियों के बच्चे उच्च शिक्षा के लिए जा सके हैं। राकेश भाई घर के छत पर से गिर गए लेकिन परमेश्वर ने उनकी रक्षा की। सुलोचना बेन उच्च रक्तचाप के कर्ण ICU में भर्ती थी, प्रभु ने उसे चंगा कर दिया।

प्रार्थना करें : विश्वास का अंगीकार करने वालों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु में मजबूत हों। बोर्डिंग स्कूल में पढ़ रहे

बच्चे प्रभु में बढ़ें और मजबूत हों। अच्छी वर्षा हो और विश्वासियों को अच्छी उपज मिले। NEET परीक्षा कि तैयारी कर रहे विश्वासी बच्चों के लिए। ऋचा बेन का हृदय कमजोर है उसकी चंगाई के लिए। स्वप्ना को एचआईवी से और थुबल को मूत्रमार्ग संक्रामण से चंगाई के लिए।

कड़ोद :

रामसिंहभाई वासवा एवं उर्मिलाबेन

स्तुति करें : 3 गाँवों में पहली बार सुसमाचार सुनाया गया। 4 लोगों ने यीशु पर विश्वास का अंगीकार किया।

यह जाति उपवास और प्रार्थना के बगैर नहीं निकल सकती !

जुनाबाई नेपानगर मध्यबप्रदेश के पालासुर गाँव की हैं। वह करीब 30 वर्ष की हैं। वह पिछले 15 वर्षों से दुष्टात्मा से ग्रसित हैं। 15 वर्ष की उम्र में उसकी मंगनी हो गई थी लेकिन कुछ समयार के चलते वह मंगनी टूट गई। इससे कुपित होकर लुडके के परिवार वालों ने जूनाबाई पर कुछ ओझा-टोहसि कर दिया कि वह दुष्टात्मास से सताई जाए। उसी समय से दुष्टात्मा उसे सताने लगा और उसका वैवाहिक जीवन दयनीय हो गया। बहुत उपाय करने पर भी छुटकारा न मिला। पिछले एक महीने से वे हमारे पालासुर में हमारी प्रार्थना सभा में आते हैं। एकदिन जूनाबाई के लिए प्रार्थना करते हुए हमारे एक विश्वासी ने एक दर्शन देखा। उस दर्शन में परमेश्वर ने बताया कि इस महिला को उसके मायके ले जाकर उपवास सहित प्रार्थना करें। विश्वानसी और दंपति उसके मायके गए और वहाँ उपवास रखकर प्रार्थना किया। परमेश्वर की महिमा हो कि सबसे दुष्टा मा ने जूनाबाई को छोड़ दिया है। हल्लेहलूयाह।



परमेश्वर ने राकेश भाई को नाशपान से छुटकारा दिया।

प्रार्थना करें : सुसमाचार में रुचि दिखानेवाले राजू भाई और राकेश भाई के लिए कि प्रभु को ग्रहण कर सकें। खदापार के छंद भाई के मुंह के कैंसर से चंगाई के लिए। चेतन भाई को नशापान से मुक्ति मिले। पत्सोड़ सीडीसी प्रोजेक्ट के बच्चों के लिए जो बीच में पढ़ाई छोड़ दिये हैं कि उनकी पढ़ाई पूरी हो सके। विहान गाँव में आराधनालय निर्माण के लिए जमीन खरीदने के लिए।

दादरा और नगर हवेली

खानवेल :

अरुल असीर एवं सुगुना

स्तुति करें : अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला लगाई गई जिसके 350 छात्रों में से 25 गैर-विश्वासी परिवारों से थे। लक्ष्मी बेन का पेट फूल गया था और कई डीनो से खाना नहीं खा सक रही थी, प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर ने उसे चंगा कर

दिया। वासोना गाँव कि उषा मानसिक विचलित थी और सो नहीं पा रही थी, प्रार्थना के द्वारा अब शांतिपूर्वक सोती है और मानसिक रूप से स्वस्थ है। जामनी बेन का बेटा प्रार्थना के उत्तर में घर लौट आया और उसकी देख-भाल करता है, घर में शांति है।

प्रार्थना करें : रंगीबेन कि 14 वर्षीय बेटी का देहांत हो गया, परमेश्वर उसे शांति दे। सुमन बेन और निर्मला बेन को स्त्री-रोग से परमेश्वर चंगा करे। संगीता को बच्चेदानी की समस्या से और यशोदा, नैना, और नीता को किडनी कि बीमारी से चंगाई मिले। दर्शन और पार्वती बेन को संतान प्राप्ति हो।

महाराष्ट्र

जौहर :

गीतम श्रीनिवास राव एवं राजलक्ष्मी

स्तुति करें : एक व्यक्ति ने प्रभु को उद्धारकर्ता स्वीकारा और 2 नए गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 2 नया नियम और दो सम्पूर्ण बाईबल का वितरण हुआ। दो स्थानों में विश्वासियों की रात्रि सभा और प्रचार सभा बिना बाधा आयोजित हुए।

प्रार्थना करें : कलीसिया के युवा व्ही. बी.एस. कार्यक्रम में सहायता करें। नया मिशन फील्ड बोर्डसर में सेवा कि बढ़ती



Happy Birthday

श्रीमती सिंधु कोड़ा एडविन

हो। ऋतु और सुरेखा के परिवार प्रभु को ग्रहण करें। वयस्कों, महिलाओं और युवाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए।

मुखडा :

एम. शंकर एवं आनंदी

स्तुति करें : 4 गाँवों में पहली बार सुसमाचार सुनाया गया। 5 नया नियम और 5 बाईबल वितरण किया गया। सवारपाड़ा और पावरपाड़ा में आराधना समूह शुरू किए गए। हमारी खोजियों कि सभा में अनीता बेन को दुष्टात्मा से छुटकारा मिला। विभिन्न स्वस्थ समस्याओं के कारण मरन्नासन गंगुबेन प्रार्थना से चंगी हो गयी। अंकुश गलत इलाज़ के कारण हुए फोड़ों से चंगाई पाया।

प्रार्थना करें : युवा विश्वासियों के लिए कि वे प्रचार कार्य से जुड़ें। बोंब्रीपाड़ा गाँव के लोगों के उद्धार के लिए। झूठे मुकदमें में फँसे बाबू बोये को छुटकारा मिले। दिलीपभाई के परिवार को ओझा-टोन्हा के प्रभाव से मुक्ति मिले। हमारे सत्संग में आने वाले कोली समुदाय के नए परिवार के लिए कि उनका उद्धार हो।

आशीर्वाद हॉस्टल, अल्लापल्ली :

निगथौजम एवं लियनबियाकनेमी

स्तुति करें : 10वीं के सभी छात्र सरकारी परीक्षा में पास हुए। परमेश्वर ने हमारे मिशनरियों को मध्य प्रदेश के खंडवा में आयोजित वार्डन प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने में सहायता की।

प्रार्थना करें : कि सभी विद्यार्थी समय पर हॉस्टल लौट सकें। बच्चे नए शिक्षण सत्र में अच्छी तरह अध्ययन कर सकें। विद्यार्थी इस सत्र में सभी तरह के बीमारियों से बचे रहें। उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे कोई भी विद्यार्थी बीच में पढ़ाई न छोड़ें।

एटापल्ली :

अरविंद वासवे एवं एजु

स्तुति करें : परमेश्वर ने 13 लोगों को यीशु में विश्वास का अंगीकार करने में सहायता किया। 30 बाईबल का वितरण हुआ। 2 दिनों का उपवास प्रार्थना सम्पूर्ण रात्रि प्रार्थना संचालित हुए। बाइक से गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हुए स्थानीय प्रचारक की परमेश्वर ने रक्षा की। करंजी गाँव के बन्द हिचामी को यीशु पर विश्वास करने के बाद विभिन्न बीमारियों से चंगाई मिली।

प्रार्थना करें : प्रार्थना करें कि हमारे मिशनरी जल्दीसे मदिया भाषा सीख सकें। अधिक से अधिक लोग प्रभु के



झुंड में शामिल हों। सभी विश्वासियों के आत्मिक विकास के लिए। वर्षा के समय में सभी विश्वासियों कि सुरक्षा के लिए। हमारे विश्वासियों कि खेती पर आशीष के लिए।

जिम्मलगत्ता (सिरोंचा) :

श्रीनिवास लाजरूस एवं सुनीता

स्तुति करें : 3 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 12 लोगों ने यीशु पर विश्वास का अंगीकार किया है। 33 नया नियम और 3 बाईबल का वितरण हुआ। 53 गाँवों में अनुवर्ती सेवकार्य हुआ। 45 छोटे समूह में विश्वासी नियमित जमा होकर प्रार्थना करते हैं और 46 बाईबल स्टडी ग्रुप में वचन अध्ययन कर रहे हैं। 6 गाँवों में सामूहिक प्रचार किया गया। सुमित्रा डायन विद्या के बुरे प्रभावों से छुड़ाई गयी।

प्रार्थना करें : गोंड, मदिया गोंड, मनया, कोया और नेतकनी कोमतिज समुदायों के लिए प्रार्थना करें कि वे बड़ी संख्या में प्रभु को ग्रहण करें। परमेश्वर दिलीप, संतोष, यशवंत और वेंकट के परिवारों

को संतान प्रदान करें। परमेश्वर समक्का को तपेदिक से, प्रज्ञा और नंदीगाँव को मानसिक बीमारी से, और वेंकट्टी कि माँ को किडनी की बीमारी से चंगाई दे।

चोपड़ा एण्ड संघवी हॉस्टल :

गोपीकृष्णन एवं मेनका

स्तुति करें : 4 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 4 लोगों ने प्रभु पर विश्वास का अंगीकार किया। 20 नया नियम और 3 बाईबल का वितरण हुआ। लक्ष्मण और कलावंती स्वेक्षा से सुसमाचार प्रचार कार्य में सहायता कर रहे हैं। 5 गाँवों में जीजस फिल्म दिखाया गया। लंबे अंतराल के बाद महिला मीटिंग फिर शुरू हो सका। 10 लोगों ने यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। कलंगी गाँव के आधार, कलु और दिनेश परिवार सुसमाचार के प्रति सुग्राही हैं।

प्रार्थना करें : कलंगी, गुड़गांव, नंजियापाड़ा, सज्यपाड़ा, भंखेड़ा, और महादेव गाँव में आराधना समूह और बच्चों कि क्लास की योजना पर आशीष के लिए कि बिना बाधा के शुरू हो सके। आनेवाले गुड़गांव में भजन कार्यक्रम, पडसारी में रात्रि सभा का कार्यक्रम, अमलोवा में विश्वासियों का प्रशिक्षण, कन्यापाड़ा में सयानों का प्रशिक्षण और संगवी में व्ही. बी. एस. के लिए प्रार्थना करें।



Happy Birthday

श्री एडवर्ड जेबार्सिंह जे.
श्रीमती वसावे सुनिता वेच्चिया

कर्नाटक

गजेन्द्रगढ़ :

मंजया नायक एवं रत्ना

स्तुति करें : परमेश्वर की दया से 3 गाँवों में सुसमाचार पहुंचाया गया और 3 लोग प्रभु के झुंड में लाये गए। 20 नया नियम और 5 सम्पूर्ण बाईबल वितरित हुए। 20 स्थानों पर अनुवर्ती सेवकार्य हुए। 12 रात्रि सभा और 12 उपवास प्रार्थना सफलतापूर्वक किए गए। येल्लुर्गा और गदा में खोजियों की सभा की गयी। विश्वासियों को वचन का पोषण देने के लिए 6 बाईबल स्टडी किए गए। प्रार्थना के उत्तर में परमेश्वर ने मन्नाम्मा को छाती दर्द से चंगा किया।

प्रार्थना करें : आगामी सभाओं पर आशीष के लिए। गवरम्मा और इरय्या को संतान प्राप्ति के लिए। 6 वर्षीय रोहित की दृष्टि अचानक चली गई, उसकी दृष्टि वापस आने के लिए। कि परमेश्वर के चप्पा

हरिजन को लकवा से चंगा करे और महादेवी के गर्भ का घाव बिना ऑपरेशन ठीक हो जाए और वह आगे बच्चे को जन्म दे सके।

आंध्र प्रदेश

रोहम :

देवदत्त लीमा एवं सोनिया रानी

स्तुति करें : एक नए गाँव में सुसमाचार पहुंचाया गया। 11 नया नियम बांटे गए। 5 गाँवों में 3 प्रचार कार्यक्रम हुए जिसके द्वारा 8 नए संपर्क बने हैं। पूर्णामासी प्रार्थना एक फिल्म कार्यक्रम हुए। नरसिम्हा दुष्टात्मा से छुड़ाया गया। गर्भाशय की गांठ से पीड़ित जयसुधा प्रार्थना के बाद अब बेहतर महसूस करती है। परमेश्वर ने हमारे मिशनरी परिवार को बाइक दुर्घटना से बचाया।

प्रार्थना करें : रोहम, तुरुकुलपटनम और सनिपल्ली में आराधनालय निर्माण के लिए जरूरी जमीन विश्वासियों के द्वारा ही दान में दिया जाय। तुरुकुलपटनम में आराधना करने के लिए भाड़े का घर मिले। भारती परिवार के उद्धार पाने के लिए। वेंकटकृष्णप्पा परिवार दुबारा यीशु पर विश्वास लाने के लिए। जयसुधा के गर्भाशय की गांठ और अनिल का हृदयरोग पूरी तरह ठीक हो जाए।



कुप्पम :

पॉल कुप्पुसामी एवं शीला

स्तुति करें : सात लोगों ने यीशु पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। 10 कलीसियाओं में बिना रुकावट रविवारीय आराधना हो सके। 6 स्थानों में घरेलू प्रार्थना सभा हुए। जीप टीम द्वारा 8 गाँवों में सामूहिक प्रचार किया गया। 15 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किया गया। एक गाँव में फिल्म दिखाई गई। 8 स्थानों में अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला लगीं जिनमें 400 बच्चों ने आशीष प्राप्त किया। हमारे एक विश्वासी ने एक मिशनरी का खर्चा उठाने की सहमति दी है।

प्रार्थना करें : आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम, मीटिंग्स और सेवकार्यों पर आशीष के लिए। जिन गाँवों में पर्चे बाँटने और फिल्म दिखाने पर रोक है वहाँ सुसमाचार प्रचार का द्वार खुलने के लिए। हमारे विश्वासियों शिवन्ना, ललिता, चिनक्का, अशोक, रागिनी, आरुमुगम, कविता, नवनितम्मा और मसिलामनी के लिए वे

आराधना में नियमित उपस्थित हों। गिरने से विशालाक्षी के कमर की हड्डी में चोट है उसकी चंगाई के लिए। वेंकटचलम के ऋण से उबरकर शांतिपूर्ण जीवन के लिए। शान्तिप्रिय कि रीढ़ कि हड्डी कि समस्या के लिए।

चट्टान में से पानी !

47 वर्षीय शिवाजी ताडवी धडगाँव उत्तर प्रदेश के जुगनीपाड़ा गाँव के हैं। उनके परिवार में पिछले पाँच सालों से बहुत तरह के कष्ट थे। वह शराब का भी आदी हो गया था। पिछले पाँच सालों से उसकी 16 वर्षीय बेटी को दुष्टात्मा सता रहा था। वह घर से भाग जाती थी, चिल्लाती थी और अपने को पहाड़ियों से नीचे या खाईयों में गिराती थी। हमारे पिपरी कलीसिया के अगुवा कृष्णो शिवाजी जाडवी से मिले और से सुसमाचार सुनाया और प्रार्थना करने को कहा। प्रार्थना के बाद परमेश्वर उस परिवार में काम करना शुरू किया। उसके बाद हमारे प्रचारक और फिल्ड मिशनरी ने उस परिवार में जाकर प्रार्थना किया। शिवाजी ताडवी उपवास प्रार्थना में भी शामिल हुआ। वे पूरी तरह से दुष्टात्मा से छुड़ाए गए। उनके छुटकारा पाने के बाद गाँव के अगुवा और दूसरे लोगों ने शिवाजी ताडवी का विरोध शुरू किया और उसे अपना विश्वास छोड़ने का दबाव बनाया। उन्होंने यीशु पर अपने विश्वास को त्यागने से इनकार किया तो उन्हें गाँव से अलग कर दिया गया और गाँव के एकमात्र जलस्रोत से पानी देने से भी मना कर दिया। मिशनरी ने पानी के लिए प्रार्थना किया और परमेश्वर ने चट्टान से जरूरी पानी प्रदान किया। शिवाजी ताडवे ने पूरे परिवार सहित यीशु पर विश्वास का अंगीकार किया। इस चमत्कार पर को देखने के बाद गाँव वालों ने विरोध करना छोड़ दिया। अब हरेक गुरुवार को 6 लोग शिवाजी ताडवे के घर पर रात्रि प्रार्थना के लिए मिलते हैं। परमेश्वर को सारी महिमा मिले।



तमिलनाडु

तमिलनाडु क्षेत्रीय कार्यालय :

एल्विन एवं विजयारानी

स्तुति करें : धर्मपुरी, तिरुवन्नामलाई और डेंकनीकोट्टई क्षेत्र में सफलतापूर्वक अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला लगाई गई। चर्च के अगुओं का प्रशिक्षण बहुत प्रभावी रहा और बहुत से प्रतिभागियों ने आशीष पाई। परमेश्वर ने सर्पदंश से जयकोडी के प्राणों की रक्षा की। पुरनी को दुष्टात्मा से छुटकारा मिला।

प्रार्थना करें : सोमनहल्ली गाँव में विरोध के कारण विश्वास से पीछे हटे मलमूथु, आबिल और इंद्राणी के लिए प्रार्थना करें कि वे फिर से विश्वास में आ सकें। नवीन, अंसार, कृष्णन, जयरामन, वल्ली, मुरुगन, मूर्ति, केनान और शांता के लिए प्रार्थन करें कि वे साहस के साथ प्रभु पर अपने विश्वास की घोषणा कर सकें। प्रभु मधु के परिवार को संतान की आशीष दे। संपूर्णम को थायरोड की बीमारी से चंगाई मिले। कालावी क्षेत्र में आराधनालय निर्माण के लिए जमीन खरीदने के लिए।

एलमपिल्लई :

विल्सन एवं जया

स्तुति करें : थडीकरण और एलमपिल्लई कलीसियाओं में अवकाशकालीन बाईबल पाठशाला लगीं। परमेश्वर ने 10वीं और 12वीं के बच्चों को परीक्षा में विजय दिया। एक बार पहले बाईबल को फाड़ने वाला सतीश कुमार अब रविवारीय आराधना में शामिल होता है।

प्रार्थना करें : सेल्विन और विंसीला जिनका स्प्लीन ट्रांसप्लांट हुआ है, को परमेश्वर चंगा करे। नीलवाती को परमेश्वर दुष्टात्मा के चंगुल से छुड़ाए। परमेश्वर लक्ष्मी के मुँह को खोले कि वह बोल सके। परमेश्वर कविता, निर्मला और प्रिया को संतान की आशीष दे। लक्ष्मी कि चंगाई के लिए जो एक महीने से अस्पताल में सर्पदंश का इलाज करा रही है।

बिजली का झटका लगने से बचा!

मनीष हरियाणा राज्य के बरवाला फिल्डो के साहू गाँव का एक विश्वासी है। वह अपने मित्र के साथ बिजली का कुछ काम कर रहा था। कुछ गलती की वजह से दोनों के शरीर से करंट पास होने लगा। उसका मित्र वहीं पर करंट लगने से मारा गया। लेकिन मनीष बेहोश हो गया। आस-पास के सब लोग सोचने लगे कि वह भी करंट से मारा गया होगा। लेकिन प्रभु की दया से वह फिर से होश में आ गया – प्रभु को महिमा मिले।



उपवास प्रार्थना
दिवस

Happy Birthday

श्री क्रिस्टोफर पी. जी.
श्री बालाजी येशुदासन जी.
श्री रंजन खासला

तिरुवल्लूर :

पॉल आनंदन एवं सारा ज्योति

स्तुति करें : काककंडिगाई गाँव के युवा सुसमाचार के प्रति सुग्राही हैं और प्रार्थना में आते हैं। हमारे एक विश्वासी अजित को कोरोमंडल सीमेंट कंपनी में नौकरी मिली। रेवती के पति जो प्रार्थना में आते हैं परमेश्वर के वचन के भूखे हैं।

प्रार्थना करें : वेणुगोपालपुरम में प्रार्थना मे आने वाले बच्चों और युवाओं के लिए कि वे प्रभु को ग्रहण करें। कविता की माँ के उद्धार के लिए। गायत्री और वंदना की दादी के लिए कि नशापान से छुटकारा मिले। चंद्रमा कि दैनिक आवश्यकताएँ पूरी हों।

केलामंगलम :

बालसुब्रमनियन एवं लूसीना

स्तुति करें : चार लोगों ने प्रभु पर अपने विश्वास क अंगीकार किया। 4 नया नियम और 2 सम्पूर्ण बाईबल बांटे गए। 3 और लोग अपने विश्वास का अंगीकार करने के

लिए तैयार हैं। 6 बच्चों को एनएसएम होम में दाखिला मिल गया है। प्रेमा के पेट में बच्चा आड़ा था और डॉक्टर ऑपरेशन करना चाहते थे, लेकिन परमेश्वर ने सुरक्षित प्रसव में सहायता किया।

प्रार्थना करें : परमेश्वर केशात्री, जयलक्ष्मी, और कृष्णम्मा को थाइरोड से चंगाई दे, राजन, सिवा, मुनिराज और पंडियन को मिर्गी से चंगा करे, और एस्थर को असह्य सरदर्द से चंगाई दे। वेंकटसामी बोलने पाए। लोकेश प्रकाश और जोशुआ के परिवार में शांति हो।



पीटकर मार डाला पर

परमेश्वर ने बचाया !

महाराष्ट्र में चोपड़ा फिल्ड थालनेर गाँव के प्रशांत को उसके पड़ोसी ने सरिया और बेलचा से मारा। उसके सर पर चोट लगी और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। इसे देख परिवार की आशा जाती रही और वे रोने लगे। सारा गाँव जमा हो गया और वे उसे धूले अस्पताल ले गए। रास्ते में उसकी माँ और बहन ने प्रार्थना किया। अचानक उसने महसूस किया कि किसी ने उसके छाती पर मारा और उसे होश आ गया। हमारे परमेश्वर ने अश्रुपूर्ण प्रार्थना का उत्तर देकर जीवन दिया। डॉक्टरों को भी अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। वह 2 सप्ताहों तक अपने घावों कस ईलाज कराता रहा और उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। सारी महिमा और आदर हमारे सर्वशक्तिमान परमेश्वर को मिले।





मिशनरी एल्बम

भाई जी. सोनपु सिंगसन का जन्म 12 दिसम्बर 1979 को मसीही दम्पति श्री एवं श्रीमती खाइखोथांग के छठवें बालक के रूप में मणिपुर के चुराचंदपुर में हुआ था। बड़ी रूचि के साथ वो कलीसियाई सेवकाई में भाग लेते थे। जब वो दसवीं में पढ़ते थे तब ही उन्होंने प्रभु यीशु को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण कर लिया था। प्रभु ने 1 यूहन्ना 3:1 के द्वारा उनसे बातें कीं और

उन्होंने प्रभु यीशु के महान व सच्चे प्रेम को जाना।

उन्हें बाइबल कालेज जाने की इच्छा थीं अतः M.Div. करने के लिए मणिपुर में अपने गृह नगर के इवांजेलिकल कालेज ऑफ थियोलॉजी में नामांकन कराया। अंतिम दिन उन्होंने एक प्रतिज्ञा प्राप्त की जिस पर यूहन्ना 20:21, "जैसा पिता ने मुझे भेजा वैसे ही मैं तुम्हें भेजता हूँ" छपा था। उसी दिन उनके पिता ने उन्हें भारत के दूसरे भागों में मिशनरी बनकर सेवा देनेके लिए कहा।

कुछ दिनों के लिए उन्हें भाई हेलिन सिंगसिट के साथ रखा गया कि मोबिलाइजेशन सेवकाई में उनकी सहायता करें। अप्रैल 2006 में उन्होंने एक साक्षात्कार में भाग लिया एवं उन्हें ओरिएंटेशन के लिए नागपुर भेजा गया उसके बाद जीप टीम में फील्ड सेवकाई के लिए हरियाणा भेजा गया। चेन्नई में एक दूसरे साक्षात्कार के बाद तारायनसाडी, गोस्पल रथम सेवकाई, पेरियामलाई, कृष्णागिरी एवं धरमपुरी सेवकाई के लिए भेजा गया उसके बाद उन्हें प्रशिक्षण हेतु झॉंसी भेजा गया।

पंजाब, राजस्थान एवं हरियाणा में जीप टीम के साथ प्रभु की सेवकाई करने के बाद उन्हें जम्मू कश्मीर में फील्ड सेवकाई के लिए नौशेरा भेजा गया। 27 मई 2009 को वो सुश्री तिगनेइनेंग के साथ विवाह के सूत्र में बंध गए। जिनका जन्म 1 मार्च 1981 को रेख्. चांगचुन सिंगसन की चौथी सुपुत्री के रूप में हुआ था। जो कलीसियाई गतिविधियों में बहुत ही सक्रिय थीं। अपने ग्राम ही में एक युवा शिविर में सम्मिलित होने के दौरान उन्होंने प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर मरने के द्वारा उनके पापों के प्रायश्चित तथा उनके जी उठने के द्वारा उन्हें न्यायोचित ठहराए जाने को महसूस किया। उन्होंने अपने पूरे जीवन भर प्रभु की सेवा करने की बुलाहट को महसूस किया। उन्होंने अपने M.Div. डिग्री को पूरा किया एवं विवाह के पूर्व बिहार में 3 सालों तक युवाओं के मध्य मिशनरी केतौर पर सेवारत थीं। बाद में 2008 में वो एफ.एम.पी.बी से जुड़ गईं।

क दम्पति के रूप में जम्मू कश्मीर के पौनी में 2010ए तक सेवा दिया। उसके बाद उन्होंने झारखंड, साहिबगंज, दोनीपिचाकनी एवं जेहोवा निस्सी सी.डी.सी. में 2015 तक माल्टो लोगों के मध्य उसके बाद ब्लेसेड गर्ल छात्रावास, पांडेनी में 2019 तक सेवा दिया। वर्तमान में वे झारखंड के गोड्डा जिले में बोदा के जेहोवा जाइरा बालक छात्रावास में सेवा दे रहे हैं। प्रभु ने उन्हें एक पुत्री नेंगवानेई से आशीर्षित किया। जिसका जन्म 22 मार्च 2021 को हुआ।

आइए हम इस मिशनरी दम्पति को अपनी प्रार्थनाओं में उठाएं।



श्री सोनपु सिंगसन
एवं
श्रीमती थिंगनेइनेंग
परिवार

राष्ट्रीय उपवास प्रार्थना



12, 13 एवं 14
अगस्त 2022 को

दरार में खड़े होने एवं हमारे देश
के लिए प्रार्थना करने के लिए

मिशन फील्ड, प्रादेशिक मोबिलाइजेशन केंद्रों,
मुख्यालयों में आयोजित की जाएगी।

हमारे देश के कल्याण एवं कलीसियाओं में जागृति के लिए

नोट : स्थान संबंधी जानकारी के लिए हमारे मोबिलाइजेशन केंद्रों से संपर्क करें।

Published by: S. Sutharsan Thomas Jeyaraj on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org **Printed by:** Rasi Graphics (P) Ltd.

No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. **Editor:** S. Sutharsan Thomas Jeyaraj